▪ आश्विन कृष्णा - 8 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 64 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 26-09-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'राष्ट्र प्रथम' भाजपा का केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता है : भूपेंद्र पटेल

6 बुजुर्ग माता-पिता की संपूर्ण सेवा ही बच्चों का सच्चा धर्म-कर्म

7 उर्वशी रौतेला ने केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम की यात्रा की

फर्स्ट टेक

टीटीडी ने एआर डेयरी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)/भाषा। तिरुमाला पहाड़ियों पर स्थित भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर के संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने मंदिर में प्रसाद के लिए मिलावटी घी की आपूर्ति के मुद्दे पर तमिलनाडु स्थित एआर डेयरी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामल राव ने पत्रकार वार्ता में कहा था कि प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला है कि एआर डेयरी द्वारा आपूर्ति किए गए घी के नमूनों में पशु वसा और चर्बी की मौजूदगी पाई गई। मंदिर को घी की आपूर्ति करने वाली डेयरी फर्म ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि उसके उत्पाद के नमूनों को अधिकारियों द्वारा उसकी गुणवत्ता प्रमाणित करते हुए विधिवत मंजूरी दे दी गई है। फर्म के प्रवक्ता ने पत्रकारों को बताया कि केवल जून और जुलाई के दौरान ही उन्होंने घी की आपूर्ति की थी।

उच्चतम न्यायालय ने दिए यूट्यूबर शंकर को रिहा करने के आदेश

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने जाने-माने यूट्यूबर सावुक्कु शंकर को बुधवार को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया। यूट्यूबर को रिहाई के तुरंत बाद तमिलनाडु गुंडा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया था। उच्चतम न्यायालय का यह आदेश तब आया जब तमिलनाडु सरकार ने न्यायालय को बताया कि राज्य ने इस मुद्दे पर एक सलाहकार बोर्ड की राय के बाद यूट्यूबर की नजरबंदी का आदेश रद्द कर दिया है। पीठ ने ताजा हिरासत के खिलाफ उसकी याचिका का निपटारा करते हुए अपने आदेश में कहा, ''सलाहकार बोर्ड की राय पर आगे बढ़ते हुए राज्य ने आज हिरासत के आदेश को रद्द कर दिया है... उपरोक्त के मद्देनजर, हिरासत में लिए गए शंकर उर्फ सावुक्कु शंकर को तत्काल रिहा किया जाए, यदि किसी अन्य मामले में आवश्यकता नहीं हो तो।''

'एशिया पावर इंडेक्स' में भारत तीसरे पायदान पर

नई दिल्ली/भाषा। आस्ट्रेलिया की एक विचारक संस्था द्वारा जारी वार्षिक 'एशिया पावर इंडेक्स' में जापान को पछाड़कर भारत तीसरे स्थान पर है। कोविड-19 के बाद मजबूत आर्थिक वृद्धि के कारण भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है। सिडनी स्थित 'लोवी इंस्टीट्यूट' ने अपने 'एशिया पावर इंडेक्स' में 81.7 स्कोर के साथ अमेरिका को शीर्ष पर रखा है, उसके बाद 72.7 स्कोर के साथ चीन दूसरे, 39.1 स्कोर के साथ भारत तीसरे, 38.9 स्कोर के साथ जापान चौथे, 31.9 स्कोर के साथ ऑस्ट्रेलिया पांचवें और 31.1 स्कोर के साथ रूस छठे स्थान पर है।

26-09-2024 सूर्यास्त 6:12 बजे | 27-09-2024 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
85,169.87	26,004.15
(+255.83)	(+63.75)

सोना	चांदी
7,840 रु.	90,419 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शाह की राह

दहशतगर्दों को ना देगा,
घाटी में अब कोई पनाह।
ना खून बहेगा सड़कों पर,
निर्दोष भरेंगे नहीं आह।
खुशहाली की हसरत पर है,
हर भारतवासी की निगाह।
उत्साह अमित ले निकल पड़ा,
इतिहास बदलने एक शाह।।

'मेक इन इंडिया' की 10वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

अब रुकने वाला नहीं है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैं अपने युवा मित्रों का आह्वान करता हूं कि वे आएं और मेक इन इंडिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में हमारे साथ जुड़ें। हम सभी को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना चाहिए। वितरण की गुणवत्ता हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। शून्य दोष हमारा मंत्र होना चाहिए।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की 10वीं वर्षगांठ पर बुधवार को दोहराया कि विनिर्माण को बढ़ावा देने की महत्वाकांक्षी पहल ने एक सपने को एक शक्तिशाली आंदोलन में बदल दिया है और इसके प्रभाव से पता चलता है कि 'भारत अब रुकने वाला नहीं है'।

लिंक्डइन पर एक ब्लॉग में उन्होंने उन सभी की सराहना भी की जिन्होंने इस पहल को 'शानदार सफलता' बनाने में भूमिका निभाई और कहा कि इनमें से प्रत्येक एक अग्रणी, दूरदर्शी और नवोन्मेषी हैं। उन्होंने कहा कि इनके अथक प्रयासों ने कार्यक्रम की सफलता को शक्ति दी है, जिससे भारत वैश्विक आकर्षण के साथ-साथ जिज्ञासा का भी केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा, ''यह सामूहिक अभियान है और प्रकृति में यह अथक है। इसने एक सपने को एक शक्तिशाली आंदोलन में बदल दिया है। 'मेक इन इंडिया' का प्रभाव दिखाता है कि भारत अब रुकने वाला नहीं है।''

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि आज भारत के पक्ष में बहुत कुछ जाता है क्योंकि यह लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग का एक आदर्श मिश्रण है। उन्होंने कहा कि देश के पास वह सब कुछ है जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी होने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत को आज व्यापार के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा, ''गति स्पष्ट रूप से भारत के पक्ष में है। वैश्विक महामारी जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, भारत विकास के रास्ते पर मजबूती से बना हुआ है। आज, हमें वैश्विक विकास के वाहक के रूप में देखा जा रहा है। मैं अपने युवा मित्रों का आह्वान करता हूं कि वे आएं और मेक इन इंडिया को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में हमारे साथ जुड़ें। हम सभी को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना चाहिए।

डगमगाती दुनिया को भारत के उदय से मिलेगा रास्ता : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि भारत के पास दुनिया की समस्याओं का जवाब है। उन्होंने कहा कि देश की प्राचीन परंपरा मजबूती से विविधता और किसी को भी खारिज नहीं करने के भाव में विश्वास करती है।

आरएसएस विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर दयाशंकर तिवारी मौन द्वारा लिखी गई किताब के विमोचन के लिए नागपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भावगत ने कहा कि जब भारत का उदय होगा , डगमगाती हुई दुनिया को तब रास्ता मिल जाएगा ।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि पिछले 2,000 वर्षों में किए गए जीवन-संबंधी प्रयोग लोगों के जीवन में खुशी और शांति लाने में असफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के विचारकों का मानना है कि भौतिकवादी विकास अपने चरम पर है और यह मानवता को विनाश की ओर ले जा रहा है।

आरएसएस नेता ने सवाल किया, ''इसका उत्तर क्या है? साथ ही कहा, ''हमारी परंपरा में इसका उत्तर है, क्योंकि हम सभी विविधताओं को स्वीकार करते रहे हैं... किसी को अस्वीकार नहीं किया और सभी को स्वीकार किया।''

भागवत ने कहा कि भारत के प्राचीन ऋषियों ने स्पष्ट रूप से समझा था कि विश्व वास्तव में एक है, जबकि ''हम जबरन विश्व को एक बनाने का प्रयास कर रहे हैं।''

आरएसएस प्रमुख ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''दुनिया वास्तव में एक है लेकिन यह विविधता चाहती है , इसलिए विविधता है। विविधता को खत्म कर के एक बनना, यह आगे बढ़ने का रास्ता नहीं है। विविधता में रहते हुए भी हमें यह समझना चाहिए कि हम एक हैं। विविधता एक सीमा तक पहुंच जाती है जिसके बाद एकता आ जाती है।''

महात्मा गांधी को उद्धृत करते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''वह बदलाव खुद में कीजिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। आप वह बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत में वैश्विक समुदाय के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान देने की क्षमता है।

भागवत ने कहा, ''हम सभी को दुनिया का मार्गदर्शक बनने का संकल्प लेना चाहिए।''

जम्मू-कश्मीर में दूसरे चरण में हुआ 54.18 प्रतिशत मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/ श्रीनगर/एजेन्सी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 26 सीटों पर बुधवार शाम छह बजे मतदान समाप्त हो गया और इस दौरान औसतन 54.18 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें सर्वाधिक वोट श्री माता वैष्णो देवी सीट पर डाले गये।

चुनाव आयोग के मुताबिक आज दूसरे चरण में छह जिलों राजौरी, पुंछ, रियासी, गंदेरबल, श्रीनगर और बड़गाम के 26 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ। श्री माता वैष्णो देवी सीट पर सबसे अधिक 75.29 प्रतिशत मतदान हुआ और हब्बाकदल में सबसे कम 15.80 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक बीरवाह में 62.50, बडगाम में 47.18, बुढाल (सुरक्षित) में 66.95, सेंट्रल शालटेंग में 29.09, चदूरा में 54.16, चन्नापोरा में 26.95, चरार-ए-शरीफ में 66.00, ईदगाह में 34.65, गंदेरबल में 53.44, गुलाबगढ़ (सुरक्षित) में 72.19, हजरतबल में 32.35, कलाकोटे-सुंदरबनी में 66.37, कंगन (सु) में 67.60, खानसाहिब में 67.70, खानयार में 24.00, लाल चौक में 30.44, मेंढर (सु) में 69.67, नौशेरा में 69.00, पुंछ-हवेली में 72.71, राजौरी (सु) में 70.56, रियासी में 69.09, सूरनकोट (सुर) में 72.18, थन्नामंडी (सु) में 68.44 और जेदीबल में 28.36 प्रतिशत औसतन मतदान हुआ।

आरजी कर मामला

सीबीआई ने ताला थाने में फर्जी तरीके से रिकॉर्ड बनाने और बदलने का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और उसकी हत्या के मामले से संबंधित कुछ रिकॉर्ड कोलकाता के ताला थाने में फर्जी तरीके से बनाए गए और बदले गए थे। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने कोलकाता की एक विशेष अदालत को बताया है कि उसने थाने का सीसीटीवी फुटेज जब्त कर लिया है जिसे जांच के लिए केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल), कोलकाता को भेजा गया है।

रूस पर हमले का समर्थन करने वाली परमाणु शक्ति को आक्रमणकारी माना जा सकता है : पुतिन

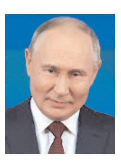

मास्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि रूस पर किसी अन्य देश द्वारा हमला किए जाने का समर्थन करने वाले परमाणु शक्ति संपन्न देश को मास्को के परमाणु सिद्धांत के नए संस्करण के तहत आक्रमण में भागीदार माना जाएगा।परमाणु सिद्धांत में परिवर्तन पर विचार करने वाली रूस की सुरक्षा परिषद की बैठक में पुतिन ने घोषणा की कि दस्तावेज के संशोधित संस्करण के अनुसार किसी परमाणु शक्ति संपन्न देश के समर्थन से किसी गैर-परमाणु शक्ति वाले देश द्वारा उनके देश के खिलाफ किए गए हमले को ''रूसी संघ पर उनके संयुक्त हमले'' के रूप में देखा जाएगा। परमाणु हथियारों के उपयोग की शर्तों को स्पष्ट करने वाला यह परिवर्तन पुतिन द्वारा अमेरिका और अन्य उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों को दी गई चेतावनी के बाद किया गया है।

अजमेर दरगाह को शिव मंदिर घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

जयपुर/भाषा। अजमेर की एक स्थानीय अदालत ने बुधवार को सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को भगवान श्री संकटमोचन महादेव मंदिर घोषित करने की मांग करने वाली एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि उस पर उसका कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने अपने वकील के माध्यम से दीवानी न्यायाधीश की अदालत में याचिका दायर की थी। गुप्ता ने अपने वकील के माध्यम से दावा किया था कि यह दरगाह मंदिर के खंडहरों पर बनाई गई है और इसलिए इसे भगवान श्री संकटमोचन महादेव मंदिर घोषित किया जाना चाहिए। याचिका में यह भी मांग की गई है कि जिस अधिनियम के तहत दरगाह संचालित होती है उसे अमान्य घोषित किया जाए, हिंदुओं को पूजा का अधिकार दिया जाए और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को उस स्थान का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया जाए। गुप्ता के वकील शशिरंजन ने कहा कि वादी ने दो साल तक शोध किया है और उनके निष्कर्ष हैं कि वहां एक शिव मंदिर था जिसे मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया था और फिर एक दरगाह बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि दीवानी न्यायाधीश की अदालत ने कहा कि इस मामले की सुनवाई करना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मामले की अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को की जाएगी। उन्होंने कहा, मैं अगली सुनवाई से पहले मुकदमे को स्थानांतरित करने के लिए जिला अदालत में आवेदन दायर करूंगा।

मालवा एक्सप्रेस के पहियों से धुआं निकला, कोई जनहानि नहीं

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश में इंदौर के डॉ. आम्बेडकर नगर (महू) से जम्मू-कश्मीर के कटरा के बीच चलने वाली मालवा एक्सप्रेस के पहियों से बुधवार को धुआं निकलता दिखाई दिया और रेलवे कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र से इस पर काबू पाया। चश्मदीदों ने यह जानकारी दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया है। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि मालवा एक्सप्रेस के महू स्टेशन से रवाना होने के बाद राऊ स्टेशन पर स्टेशन मास्टर ने इस यात्री ट्रेन के पहियों से धुआं निकलता देखा। उन्होंने बताया,''ट्रेन के एक डिब्बे के पहियों का ब्रेक ब्लॉक घर्षण के चलते गर्म होने के कारण जाम हो गया था। राजेंद्र नगर स्थित अगले स्टेशन पर ट्रेन को तुरंत रोका गया।

हिजबुल्ला की मिसाइल को इजराइल ने किया इंटरसेप्ट

इजराइल ने 'रिजर्व' सैनिकों को सक्रिय किया

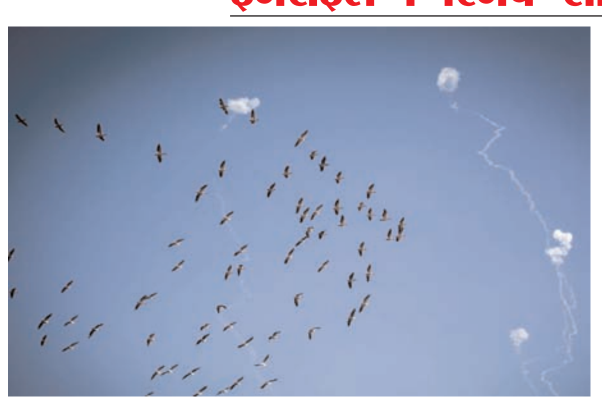

लेबनान में संभावित जमीनी अभियान की तैयारी कर रही है इजराइली सेना

तेल अवीव/एपी। इजराइली सेना प्रमुख ने बुधवार को कहा कि बल लेबनान में संभावित जमीनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। देश की उत्तरी सीमा पर सैनिकों को संबोधित करते हुए थल सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल हेर्जी हालेवी ने कहा कि हालिया हवाई हमला लेबनान में दाखिल होने के लिए जमीन तैयार करने और हिज्बुल्ला को नेस्तानाबूत करने के लक्ष्य को सामने रख कर किया गया। उन्होंने कहा कि उत्तरी इजराइल के विस्थापित नागरिकों को उनके घरों में वापस भेजने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, ''हम एक युद्धाभ्यास की प्रक्रिया तैयार कर रहे हैं।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। हिजबुल्ला ने बुधवार तड़के तेल अवीव समेत इजराइल के कई स्थानों पर मिसाइल से हमले किए। वहीं, इजराइल ने भी हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाया।

लेबनान स्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्ला का तेल अवीव पर यह अब तक का सबसे बड़ा हमला था। इजराइल की सेना ने कहा है कि वह हिजबुल्ला आतंकवादी समूह के साथ बढ़ते तनाव के मद्देनजर अपने 'रिजर्व' सैनिकों को सक्रिय कर रही है। सेना ने कहा कि उसने सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को रोक दिया।

लेबनान पर इजराइली हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत के बाद हिजबुल्ला के मिसाइल दागने के बीच क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री फिरास आबियाद ने कहा कि बुधवार को इजराइली हमलों में 51 लोगों की मौत हो गई और 223 अन्य घायल हो गए।

सोमवार और मंगलवार को इजराइल के हमलों में लेबनान में कम से कम 560 लोग मारे गए और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। कई परिवार बेरूत और तटीय शहर सिडोन चले गए हैं। कुछ लोग देश छोड़ने की कोशिश कर रहे थे, जिससे सीरिया की सीमा पर यातायात जाम हो गया।

'ग्लोबल साउथ' को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र के अतीत में ''अटके'' रहने का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि 'ग्लोबल साउथ' के देशों को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता तथा संशोधित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी श्रेणी में उनका उचित प्रतिनिधित्व विशेष रूप से आवश्यक है। जयशंकर ने ये टिप्पणियां जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की एक बैठक में ''एक न्यायपूर्ण विश्व और एक टिकाऊ ग्रह का निर्माण'' विषय पर कीं।

जयशंकर ने कहा, ''दुनिया एक परस्पर जुड़े हुए और बहुध्रुवीय क्षेत्र में तब्दील हो गई है और संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से इसके सदस्यों की संख्या चार गुना बढ़ गई है। फिर भी संयुक्त राष्ट्र अतीत में अटका हुआ है।'' उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है, जिससे इसकी प्रभावशीलता और विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि ''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता की दोनों श्रेणियों में विस्तार सहित अन्य सुधारों के बिना'' 15 देशों के इस निकाय की प्रभावशीलता में कमी बरकरार रहेगी। उन्होंने कहा, ''स्थायी श्रेणी में विस्तार और उचित प्रतिनिधित्व एक विशेष अनिवार्यता है। ग्लोबल साउथ – एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका – को लगातार नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।''

संघर्ष रोकने की संभावना के लिए भारत रूस और यूक्रेन के साथ बातचीत कर रहा है : जयशंकर

न्यूयॉर्क/भाषा। भारत रूस और यूक्रेन दोनों के साथ बातचीत कर रहा है, ताकि यह देखा जा सके कि क्या वह ऐसा कुछ कर सकता है, जिससे संघर्ष का अंत शीघ्र हो सके और उनके बीच गंभीर बातचीत शुरू हो सके। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह जानकारी दी।

जयशंकर ने एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान कहा, हमारा मानना है कि युद्ध विवादों को सुलझाने का तरीका नहीं है। हम नहीं मानते कि युद्ध के मैदान से कोई समाधान निकलने वाला है।

भारत इस विवाद को सुलझाने में क्या मदद करने जा रहा है, इस सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा, हमें लगता है कि किसी बिंदु पर बातचीत होगी, और ऐसी बातचीत में स्पष्ट रूप से सभी पक्षों को शामिल करना होगा। यह एकतरफा बातचीत नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, और उन आकलनों के आधार पर, हम मास्को और कीव तथा अन्य स्थानों पर रूसी सरकार और यूक्रेनी सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं, ताकि यह देखा जा सके कि क्या हम ऐसा कुछ कर सकते हैं, जिससे संघर्ष का अंत शीघ्र हो सके और उनके बीच किसी प्रकार की गंभीर बातचीत शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की तलाश है जो भारत कर रहा है। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि हमारे पास कोई शांति योजना है। हम कुछ भी सुझाव नहीं दे रहे हैं। हम ये बातचीत कर रहे हैं और दूसरे पक्ष के साथ इन बातचीत को साझा कर रहे हैं। मेरा मानना है कि दोनों पक्ष इसकी सराहना करते हैं।

गलती से भी कांग्रेस सत्ता में आ गई तो अपनी अंतर्कलह से हरियाणा को बर्बाद कर देगी: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनीपत/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अगर वह गलती से भी हरियाणा में सत्ता में आ गई तो उसकी अंदरूनी कलह के कारण स्थिरता और विकास दांव पर लग जाएगा और यह राज्य को बर्बाद कर देगा।

जिले में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए गोहाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला बोला और आरोप लगाया कि आरक्षण का विरोध और उसके प्रति नफरत उसके 'डीएनए' में है। मुख्य विपक्षी पार्टी की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारें 'अस्थिरता' के लिए जानी जाती हैं। मोदी ने कांग्रेस शासित कर्नाटक का उदाहरण देते हुए कहा, ''पिछले कुछ सालों में जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें बनीं, मुख्यमंत्री और मंत्री अंदरूनी कलह में शामिल रहे। उन्हें लोगों के दर्द और समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''कर्नाटक में उसके मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अंदरूनी लड़ाई में व्यस्त हैं। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी यही कहानी है।'' हरियाणा विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद राज्य में मोदी की यह दूसरी रैली थी। पहली रैली एक हफ्ते पहले कुरुक्षेत्र में हुई थी। मोदी ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान उसकी अंदरूनी कलह का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''इसलिए हरियाणा को सतर्क रहना होगा। हरियाणा का मुझ पर अधिकार है। याद रखिए, अगर कांग्रेस गलती से भी सत्ता में आ गई तो वह अपनी अंदरूनी कलह से हरियाणा को बर्बाद कर देगी।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस में जिस तरह से अंदरूनी कलह बढ़ रही है, उसे पूरा हरियाणा देख रहा है।'' मोदी ने कहा कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब हरियाणा की स्थिरता और विकास को दांव पर लगाना और विनाश के दरवाजे खोलना है। उन्होंने कहा, ''इस अस्थिरता से हरियाणा में हर काम रुक जाएगा। निवेश और नौकरियां प्रभावित होंगी।'' गौरतलब है कि हरियाणा में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस की हरियाणा इकाई में कथित अंदरूनी कलह को लेकर उसपर निशाना साध रही है। प्रधानमंत्री ने आरक्षण के मुद्दे पर भी कांग्रेस पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसने हमेशा ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भागीदारी से वंचित रखा। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के शाही परिवार से जो भी प्रधानमंत्री बना, उसने हमेशा आरक्षण का विरोध किया है। आरक्षण का विरोध और आरक्षण से नफरत, कांग्रेस के डीएनए में है।''

निशुल्क रक्तदान शिविर आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन एवं संकल्प इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बोम्मसान्द्रा स्थित सेनसेरा प्लांट-3 के प्रांगण में आयोजित निशुल्क रक्तदान शिविर में 143 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। निशुल्क शिविर में प्रमुख उद्यमी एवं सनसेरा के जेएमडी एफआर सिंघवी, केएमवाईएफ के रणजीत मेहता, राहुल मेहता, संकल्प इंडिया के सौमी दत्ता, त्रिवर्मा, वासुदेव के. रुद्रेश सहित कम्पनी के स्टॉफ उपस्थित थे। फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने बताया कि एकत्रित रक्त थैलिसिमया से पीडित बच्चों के इलाज के उपयोग में लिया जाएगा।

स्थायी समितियों के गठन में हमारी ओर से कोई विलंब नहीं हुआ: रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को कहा कि संसद की स्थायी समितियों के गठन में सरकार की तरफ से कोई विलंब नहीं हुआ है तथा जिस नेता ने देरी का आरोप लगाया है उनकी ही पार्टी ने समितियों के लिए समय पर नाम नहीं भेजे। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने संसद को ''गहरे, अंधेरे कक्ष'' में बदलने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा था कि 18वीं लोकसभा के गठन के 100 दिन पूरे होने के बावजूद संसद की स्थायी समितियों का गठन नहीं किया गया है। स्थायी समितियों के गठन में विलंब संबंधी आरोप के बारे में पूछे जाने पर रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा, ''कोई सवाल उठा नहीं रहा है। एक-दो लोग बोल रहे हैं। जिन्होंने सवाल उठाया है, उनकी पार्टी ने नाम नहीं दिया। सारे राजनीतिक दलों की ओर से नाम आ गए हैं। हमने स्थायी समितियों के बारे में जानकारी लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों को भेज दी है।''

वर्ष 2010 से एचआईवी के नए मामलों में 44 प्रतिशत की कमी आई: अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बुधवार को कहा कि 2010 से एचआईवी संक्रमण के नए वार्षिक मामलों में 44 प्रतिशत की कमी आई है। यह वैश्विक कमी दर 39 प्रतिशत से अधिक है।

पटेल ने संयुक्त राष्ट्र में ''पुनर्जीवित बहुपक्षवाद: एड्स को साथ मिलकर समाप्त करने के लिए पुनः प्रतिबद्धता'' विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह जानकारी साझा की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कार्यक्रम यूएनएड्स, ग्लोबल फंड और पीईपीएफएआर द्वारा आयोजित किया गया था। मंत्री ने कहा कि भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बन चुके एचआईवी/एड्स को 2030 तक समाप्त करने के संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया कि उन्होंने एचआईवी/एड्स के खिलाफ लड़ाई में भारत की प्रगति और रणनीतियों को रेखांकित किया। इसमें राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (2021-2026) का 5वां चरण भी शामिल है, जिसे भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित किया गया है।

अगले साल बजट सत्र में पेश किया जा सकता है 'जन विश्वास विधेयक 2.0' : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि उनका मंत्रालय 'जन विश्वास विधेयक 2.0' पर काम कर रहा है और यह विधेयक अगले साल बजट सत्र में संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि छोटे अपराधों को और अधिक अपराध-मुक्त बनाने के लिए हितधारकों तथा विभागों से कई सुझाव मिले हैं।

जन विश्वास कानून के 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल लागू किया गया था। अब मंत्रालय 'जन विश्वास विधेयक 2.0' पर काम कर रहा है और इसके लिए हितधारकों के साथ बातचीत जारी है। गोयल ने कहा, '' हमें अभी तक काफी अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं। कई विभाग अपने मंत्रालयों के तहत कानूनों को अपराधमुक्त करने के लिए सक्रिय सुझाव लेकर सामने आए हैं। हितधारकों ने उन क्षेत्रों पर अच्छे विचार प्रस्तुत किए हैं, जहां वे सुरक्षा तथा राष्ट्रीय हित से समझौता किए बिना अपराधमुक्त बनना चाहते हैं।'' संसद के शीतकालीन सत्र में 'जन विश्वास विधेयक 2.0' को पेश किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि विचार-विमर्श के लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी, ''इसलिए बजट सत्र में इसे पेश किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि इस अधिनियम को छोटे अपराधों को अपराधमुक्त करने के एक प्रगतिशील उपाय के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है।

जम्मू-कश्मीर चुनाव का निरीक्षण कर रहे विदेशी राजनयिकों ने मतदान प्रक्रिया को लेकर संतुष्टि जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का निरीक्षण करने बुधवार को यहां आए विदेशी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मतदान प्रक्रिया के संचालन पर संतोष व्यक्त किया।

कुछ सदस्यों ने कहा कि यह प्रक्रिया उनके अपने देशों में होने वाली चुनाव प्रक्रिया के समान ही है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में आज छह जिलों की 26 सीट पर मतदान हो रहा है। विदेश मंत्रालय ने इस प्रक्रिया का निरीक्षण करने के लिए अमेरिका, नॉर्वे और सिंगापुर समेत 16 देशों के राजनयिकों के प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया है। दिल्ली में अमेरिकी मिशन के उप-प्रमुख जॉर्गन के. एंड्रयूज ने कहा कि मतदान प्रक्रिया ''स्वस्थ और लोकतांत्रिक'' दिख रही है।

एंड्रयूज ने श्रीनगर के एक मतदान केंद्र पर 'पीटीआई वीडियो सेवा' से कहा, ''(मतदाताओं का) उत्साह देखकर बहुत अच्छा लगा। 10 साल के अंतराल के बाद कश्मीरियों को मतदान करते देखना बहुत अच्छा लग रहा है। हम नतीजे देखने के लिए उत्साहित हैं। यह बहुत स्वस्थ और लोकतांत्रिक दिख रहा है।'' दक्षिण कोरिया के राजनयिक सांग वू लिम को 'पिंक पोलिंग स्टेशन' का विचार पसंद आया। यह भारत के निर्वाचन आयोग की एक पहल है, जहां मतदान केंद्रों का पूरा प्रबंधन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। लिम ने कहा, ''मैं पहली बार कश्मीर आया हूं। मैं प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनकर यहां आकर खुश हूं। मैं देख रहा हूं कि यह एक खूबसूरत जगह है और यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। लोकतंत्र कैसे काम करता है, यह देखना खास है। 'पिंक पोलिंग स्टेशन' का यह विचार बहुत ही अच्छा है। इससे लोग बढ़-चढ़कर मतदान करने को प्रोत्साहित होंगे।'' दिल्ली में सिंगापुर मिशन के उप-प्रमुख चेंग वेई एलिस ने कहा कि यहां मतदान का निरीक्षण करने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनना अद्भुत अनुभव है।

अवैध व्यापार करने वालों के मन में कठोर दंड का डर पैदा करने की जरूरत : बिट्टू

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बुधवार को कठोर दंड की जरूरत और अवैध व्यापार और गतिविधियों में लिप्त लोगों के गठजोड़ पर कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत पर बल दिया। फिक्की-कैस्केड के 10वें संस्करण - 'मासक्रेड 2024' को संबोधित करते हुए बिट्टू ने कहा कि आर्थिक वृद्धि को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ लड़ाई के लिए विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''हम साथ मिलकर मजबूत अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करते हैं, मजबूत पहल के साथ इन खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देते हैं... सजा जरूरी है, और अपराधियों के मन में यह डर पैदा करना महत्वपूर्ण है कि अगर वे अवैध व्यापार गतिविधियों में शामिल होते हैं तो उन्हें कठोर दंड दिया जाएगा।''

बड़े उद्योगपतियों के लिए रास्ता साफ करने के वास्ते जीएसटी, नोटबंदी को हथियार बनाया गया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र की 'मेक इन इंडिया' पहल पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि अदाणी और अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों के लिए रास्ता साफ करने के वास्ते वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और नोटबंदी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया।

जम्मू जिले के 11 विधानसभा क्षेत्रों से कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने भाजपा पर विरोधियों को डराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर (आईटी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

जम्मू जिले के साथ छह अन्य जिलों में एक अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण में मतदान होगा।

कांग्रेस नेता ने रैली को संबोधित करते हुए दावा किया, ''वे (भाजपा) 'मेक इन इंडिया' और रक्षा उद्योग की बात कर रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सारे ठेके अदाणी जैसे लोगों को मिल रहे हैं। एक इजराइली कंपनी हथियार बना रही है और अदाणी अपना 'लेबल' चिपका रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इजराइल की कंपनी ड्रोन बना रही है लेकिन लेबल अदाणी का है। वे कहते हैं कि ये 'मेड इन इंडिया' है लेकिन ऐसा कैसे? ये 'मेड इन इंडिया' नहीं बल्कि इजराइल के बनाए हथियार हैं, और पूरे देश में यही हाल है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल अदाणी और अंबानी जैसे अरबपतियों के लिए काम कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, ''जीएसटी जम्मू के उद्यमियों और छोटे एवं मध्यम व्यवसायों को निशाना बनाने का एक हथियार था। उसी तरह नोटबंदी को भी हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''ये नीतियां नहीं बल्कि हथियार हैं और इसका लक्ष्य अदाणी और अंबानी जैसे लोगों के लिए रास्ते साफ करना था। गलत जीएसटी कार्यान्वयन और नोटबंदी ने देश भर में लाखों छोटे व्यवसायों को बर्बाद कर दिया।''

गुजरात में निजी बंदरगाहों के स्वामित्व को लेकर अदाणी समूह को फायदा पहुंचाने का प्रयास: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि गुजरात में निजी बंदरगाहों के स्वामित्व से संबंधित रियायत अवधि में अदाणी समूह को फायदा पहुंचाने का प्रयास किया गया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक बार फिर यह कहा कि अदाणी समूह के मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए। अमेरिकी संस्था 'हिंडेनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट में अदाणी समूह पर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे और इसको लेकर कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमले कर रही है। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज किया है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गुजरात सरकार निजी बंदरगाहों को 'बिल्ड-ओन-ऑपरेट-ट्रांसफर' (बूट) के आधार पर 30 साल की रियायत अवधि प्रदान करती है, जिसके बाद स्वामित्व गुजरात सरकार को हस्तांतरित हो जाता है। इस मॉडल के आधार पर, अदानी पोर्ट्स का वर्तमान में मुंद्रा, हजीरा और दाहेज बंदरगाहों पर नियंत्रण है।

ट्राई ओटीटी ऐप के लिए अलग से विनियमन पर करेगा चर्चा: चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन आर सी लाहोटी बुधवार को कहा कि नियामक व्हाट्सएप, टेलीग्राम और गूगल मीट जैसे ओवर-द-टॉप (ओटीटी) ऐप के नियमन का मुद्दा उठाने से पहले सैटेलाइट स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया में तेजी लाएगा।

उन्होंने कहा कि सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के मूल्य निर्धारण पर एक परामर्श पत्र अगले कुछ दिन में जारी किया जाएगा। लाहोटी ने कहा, ओटीटी इस पत्र (दूरसंचार अधिनियम 2023 के तहत सेवा प्राधिकरण रूपरेखा) का हिस्सा नहीं था। इसपर अलग से चर्चा की जा रही है। अभी, हमें स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण को प्राथमिकता के आधार पर उठाना है।

भाजपा की रग-रग में बसी है किसान विरोधी नफ़रती मानसिकता : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत की एक टिप्पणी को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी की रग-रग में किसान विरोधी नफ़रती मानसिकता बसी हुई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी के ख़िलाफ़ है।

कंगना ने मंगलवार को कहा था, कृषि कानून निरस्त किए गए हैं उन्हें वापस लाया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि यह विवादास्पद हो सकता है। किसानों के हित में कानून वापस लाए जाएं। किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए, ताकि उनकी समृद्धि में कोई रुकावट नहीं रहे। भाजपा ने उनके बयान से दूरी बनाते हुए कहा है कि यह उनकी निजी राय है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 750 किसानों की शहादत के बाद भी किसान विरोधी भाजपा और मोदी सरकार को अपने घोर अपराध का अहसास नहीं हुआ। किसान-विरोधी तीन काले क़ानूनों को फिर से लागू करने की बात की जा रही है। कांग्रेस पार्टी इसका कड़ा विरोध करती है। उन्होंने कहा कि किसानों को गाड़ी के नीचे कुचलवाने वाली मोदी सरकार ने हमारे अन्नदाता के लिए कँटीले तार, ड्रोन से आँसू गैस, कीलें और बंदूक़ें... सबका इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि ये सब कुछ भारत के 62 करोड़ किसान कभी भूल नहीं पाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि इस बार हरियाणा समेत सभी चुनावी राज्यों से, ख़ुद प्रधानमंत्री की संसद में किसानों के लिए आंदोलनजीवी और परजीवी जैसी अपमानजनक टिप्पणी किए जाने का करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा, मोदी जी की बयानबाज़ी के चलते उनके मंत्रियों और सांसदों व दुष्प्रचार तंत्र को किसानों का अपमान करने की आदत हो गई है। खरगे ने कहा, 10 सालों में मोदी सरकार ने देश के अन्नदाताओं से किए गए अपने तीन वादे तोड़े हैं। ये तीनों वादे , 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने, स्वामीनाथन रिपोर्ट के मुताबिक़ लागत तथा 50 प्रतिशत एमएसपी लागू करने और एम एसपी को क़ानूनी दर्जा देने के थे। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान आंदोलन वापस लेते समय मोदी ने सरकारी समिति की घोषणा की थी, वह आज भी ठंडे बस्ते में है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार एमएसपी की कानूनी गारंटी के ख़िलाफ़ है। खरगे ने कहा, शहीद किसानों के परिवारों को कोई राहत नहीं दी गई, संसद में मोदी सरकार ने उनकी याद में दो मिनट का मौन रखना भी मुनासिब नहीं समझा और ऊपर से लगातार उनका चरित्र हनन जारी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

I, **S N PUSHPANJALI,** W/o. Prakash Raju R, aged about 52 years, residing at No.406, 4th floor, Tirumala Homes, Kodipalya, opp. VVIS School Kengeri, Bengaluru - 560060, I declare that I am wife of my husband Late Prakash Raju R and my correct name is **S N PUSHPANJALI.** That the names **SARIKA SHREYA RAJU** and **S N PUSHPANJALI** belongs to one and the same person i.e., myself. Further in future records, my name should be considered as **S N PUSHPANJALI.,** vide affidavit dated 6/7/2024 sworn to before H.S.Sakalesh Aradhya advocate and notary Bangalore.

कम आय वाले देशों को वित्तीय संसाधन मुहैया कराने में मदद करे एआईआईबी : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि एआईआईबी को ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण पर अपना ध्यान जारी रखना चाहिए और सदस्य देशों खासकर कम आय वाले देशों को प्रौद्योगिकी की मदद से वित्तीय संसाधन प्राप्त करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने समरकंद (उज्बेकिस्तान) में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं वार्षिक बैठक से पहले एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के अध्यक्ष जिन लीकुन के साथ बैठक में यह आग्रह किया।

वित्त मंत्री ने नौ वर्ष की छोटी सी अवधि में ऋण परिचालन में एआईआईबी की तीव्र वृद्धि की सराहना की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर आधिकारिक खाते पर लिखा, '' केंद्रीय वित्त मंत्री ने सुझाव दिया कि एआईआईबी को

अपने ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को मजबूत करना जारी रखना चाहिए और सदस्य देशों खासकर कम आय वाले देशों को प्रौद्योगिकी सहायता तथा अन्य गैर-वित्तीय सेवाओं के जरिये वित्तीय संसाधन हासिल करने में सुविधा प्रदान करनी चाहिए।'' इसमें कहा गया, '' एआईआईबी के अध्यक्ष ने भारत के दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक और सबसे बड़ा ग्राहक होने के नाते बैंक के प्रशासन तथा समग्र वृद्धि में भारत के योगदान की सराहना की...साथ ही भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने के अवसरों को तलाशने की इच्छा व्यक्त की।'' एक बहुपक्षीय विकास बैंक के रूप में बीजिंग स्थित एआईआईबी एशिया में सतत बुनियादी ढांचे के विकास तथा बुनियादी ढांचे और अन्य उत्पादक क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य सतत आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना, धन का सृजन करना और बुनियादी ढांचे के संपर्क में सुधार करना है। भारत के पास एआईआईबी में 8.4 अरब डॉलर की पूंजी के साथ 83,673 शेयर हैं, जबकि चीन के पास 29.8 अरब डॉलर की पूंजी के साथ 2,97,804 शेयर हैं।

अदालत ने लोकायुक्त पुलिस को सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ बुधवार को लोकायुक्त पुलिस से जांच कराने का आदेश दिया। इसके साथ ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट के इस आदेश से एक दिन पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस मामले में सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच कराने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी को बरकरार रखा था। इस मामले में एमयूडीए पर सिद्दरामय्या की पत्नी बी एम पार्वती को 14 भूखंड आवंटित करने में अनियमितताएं बरतने का आरोप है।

विशेष अदालत ने मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस को आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर शिकायत पर जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 156 (3) (जो मजिस्ट्रेट को संज्ञेय अपराध की जांच का आदेश देने का अधिकार प्रदान करती है) के तहत जांच करने के निर्देश जारी किए। अदालत ने पुलिस को 24 दिसंबर तक जांच रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया।

उच्च न्यायालय ने सिद्दरामय्या की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत जांच की मंजूरी देने संबंधी राज्यपाल के 16 अगस्त के आदेश की वैधता को चुनौती दी थी। विशेष अदालत के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिद्दरामय्या ने दोहराया कि वह जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने पहले ही कहा है कि मैं जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। मैं जांच से नहीं डरता।'' मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, ''मैं कानूनी लड़ाई के लिए तैयार हूं। मैंने कल भी यही कहा था और आज भी यही कह रहा हूं।''

गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि ''लोकायुक्त पुलिस एक स्वतंत्र संस्था है। उन्होंने कहा, यह किसी की करुणा पर निर्भर नहीं है, वे स्वतंत्र रूप से जांच करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''आदेश की प्रति आने के बाद प्रतिक्रिया दूंगा। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा है कि वह किसी भी जांच के लिए तैयार हैं...आदेश आने दीजिए और देखते हैं कि (अदालत के) आदेश में क्या कहा गया है।''

इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक बार फिर सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग की और उनसे जांच में सहयोग करने को कहा। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा है कि वे किसी भी जांच के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया है कि उन्हें इस्तीफा क्यों देना चाहिए। सिद्दरामय्या शायद भूल गए हैं कि विपक्ष के नेता के तौर पर उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को क्या उपदेश दिया था। उन्होंने येदियुरप्पा से निष्पक्ष जांच के लिए इस्तीफा देने को कहा था। उन्होंने कहा, न्यायालय ने लोकायुक्त पुलिस को जांच करने के लिए कहा है, लेकिन हम मुख्यमंत्री से आग्रह करते हैं कि इस्तीफा देने से पहले उन्हें स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के लिए मामले को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश देना चाहिए।''

कर्नाटक में विपक्षी दलों भाजपा और जद (एस) ने बुधवार को मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग तेज कर दी तथा उनके आवास ''कावेरी'' को घेरने का प्रयास किया। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सदस्यों ने ''कावेरी'' की ओर मार्च करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उनका प्रयास विफल कर दिया। पुलिस ऐहतियात के तौर पर उन्हें हिरासत में लेते हुए बस में बैठाकर ले गई।

पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाले जद (एस) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यहां फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन कर कावेरी की ओर बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने विशेष अदालत के आदेश का स्वागत किया और कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद वह उच्च न्यायालय से मामले को सीबीआई को सौंपने की अपील करेंगे। यह मामला सिद्दरामय्या की पत्नी बी. एम. पार्वती को कथित तौर पर मुआवजे के तौर पर मैसूरु के एक पॉश इलाके में जमीन आवंटित किए जाने से जुड़ा है, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था जिसे एमयूडीए ने 'अधिग्रहीत'' किया था। एमयूडीए ने पार्वती की 3.16 एकड़ जमीन के बदले में उन्हें 50:50 के अनुपात से भूखंड आवंटित किये थे जहां उसने आवासीय लेआउट विकसित किये थे। इस विवादास्पद योजना के तहत एमयूडीए ने उन लोगों को 50 प्रतिशत विकसित जमीन आवंटित की थी जिनकी अविकसित जमीन आवासीय लेआउट विकसित करने के लिए ली गयी थी। आरोप है कि मैसूरु तालुक के कसाबा होबली के कसारे गांव के सर्वे नंबर 464 में स्थित 3.16 एकड़ जमीन पर पार्वती का कोई कानूनी हक नहीं था।

जांच का सामना करने को तैयार हूं : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को दोहराया कि वह मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। विशेष अदालत द्वारा मामले में लोकायुक्त पुलिस जांच के आदेश दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जांच से नहीं डरते। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैंने पहले ही कहा है कि मैं जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। मैं जांच से नहीं डरता।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं कानूनी लड़ाई के लिए तैयार हूं। मैंने कल भी यही कहा था और आज भी यही कह रहा हूं।'' सिद्दरामय्या ने कहा कि विशेष अदालत ने मामला मैसूर लोकायुक्त पुलिस को भेज दिया है, क्योंकि शिकायत मैसूरु में दर्ज की गई थी और एमयूडीए भी उसी शहर में स्थित है। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट के आदेश से एक दिन पहले उच्च न्यायालय ने इस मामले में सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच कराने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी को बरकरार रखा था।

सिद्दरामय्या इस्तीफा दें और जांच में सहयोग करें : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने आग्रह किया कि सिद्दरामय्या को उच्च न्यायालय के फैसले और आज के विशेष अदालत के आदेश को स्वीकार करना चाहिए और तुरन्त प्रभाव से मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए और उचित तरीके से जांच में सहयोग करना चाहिए।

आज भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा के खिलाफ आरोप लगाए गए थे तो सिद्दरामय्या विपक्षी दल के नेता थे। सिद्दरामय्या, जो विपक्ष के नेता थे, ने तब कहा था, 'सत्ता में रहने से जांच प्रभावित होती है; प्रभाव पड़ने की संभावना है। इन संभावनाओं के कारण निष्पक्ष जांच असंभव है। इसके लिए येडीयुरप्पा को सत्ता में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उस समय का सिद्दरामय्या का यह वीडियो क्लिप टी.वी. द्वारा किया गया था।

भाजपा लगातार भ्रष्ट कांग्रेस और भ्रष्ट मुख्यमंत्री के खिलाफ लड़ रही है। हमने बेंगलूरु से मैसूरु तक 'मैसूरु चलो' पदयात्रा की थी। एक निजी शिकायत के आधार पर, राज्यपाल ने आज जांच की अनुमति दी और राज्य उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्यपाल का आदेश 'वैध' था। अब मुडा घोटाले की जांच विशेष अदालत से कराने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को याद रखना चाहिए कि जब वह विपक्ष के नेता थे तो उन्होंने क्या कहा था।

क्या मैसूरु लोकायुक्त पुलिस जांच कर सकती है?

क्या मैसूरु लोकायुक्त पुलिस जांच कर सकती है? विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले में लोकायुक्त पुलिस और राज्य में लोकायुक्त पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच करना असंभव है। आज कोर्ट ने आदेश दिया; निष्पक्ष जांच कराने के लिए मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इस्तीफा देने से पहले मामले की जांच स्वतंत्र जांच एजेंसी सीबीआई को सौंप देनी चाहिए। तब सिद्दरामय्या ने कहा कि सम्मान बढ़ेगा।

मैसूरु स्थित सामाजिक कार्यकर्ता और शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव्स की विशेष अदालत (सांसदों, विधायकों की विशेष अदालत) के समक्ष थी। पिछले महीने कोर्ट में एक व्यापक दलील भी पेश की गई थी. मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्यपाल के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था। निचली अदालत ने भी रोक लगा दी। कल उच्च न्यायालय के फैसले को देखते हुए राज्यपाल का निर्णय सही था; व्यवस्थित है. उन्होंने बताया कि इसमें बताया गया था कि मैसूरु मुडा घोटाले में राज्यपाल का आदेश वैध था.

मुडा घोटाले पर बीजेपी का रुख साफ है। यह घोटाला सिर्फ 14 जगहों तक सीमित नहीं है। विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने आरोप लगाया कि एक तरफ 14 प्लॉट हैं तो दूसरी तरफ 4 से 5 हजार करोड़ के प्लॉट रियल एस्टेट और ब्रोकरों के हिस्से हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि इन सबकी व्यापक जांच सिर्फ सीबीआई ही कर सकती है।

संवाददाता सम्मेलन में विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, श्रीमती भारती शेट्टी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक एन. महेश, प्रदेश सचिव शरणु थुधिकेरी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सुश्री. सी मंजुला, केंद्रों की राज्य समन्वयक एस. दत्तात्रि, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरि गौड़ा समेत प्रमुख लोग उपस्थित थे।

न्याय करने का मूल तत्व निष्पक्ष और न्यायसंगत होना है: उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि न्याय का मूल आधार निष्पक्ष और न्यायसंगत होना है तथा यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक न्यायाधीश अपने झुकाव से अवगत हो। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी. श्रीशानंद ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई कार्यवाही के दौरान यह टिप्पणी की। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय पीठ ने कहा कि संस्था के प्रत्येक हितधारक के लिए यह समझना आवश्यक है कि न्यायिक निर्णय लेने में केवल उन्हीं मूल्यों का पालन करना चाहिए जो संविधान में निहित हैं।

पीठ में न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक न्यायाधीश को अपने स्वयं के झुकाव के बारे में पता होना चाहिए। न्याय का मूल आधार निष्पक्ष और न्यायसंगत होना है।

न्यायालय ने कहा, इस प्रक्रिया में यह आवश्यक है कि प्रत्येक न्यायाधीश अपने स्वयं के झुकाव के प्रति जागरूक रहें, क्योंकि केवल ऐसी जागरूकता के आधार पर ही हम वस्तुपरक और निष्पक्ष न्याय प्रदान करने संबंधी न्यायाधीश के मौलिक दायित्व के प्रति सच में ईमानदार हो सकते हैं। पीठ ने अदालतों को ऐसी टिप्पणियां करने के प्रति आगाह किया, जिन्हें ''नारी विरोधी'' या ''किसी विशेष लिंग या समुदाय'' के प्रति दुराग्रहपूर्ण माना जा सकता है।

न्यायालय ने न्यायाधीश द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों पर शुरू की गई कार्यवाही को बंद कर दिया तथा कहा कि न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने 21 सितंबर को उच्च न्यायालय में खुली अदालत की सुनवाई के दौरान माफी मांग ली थी। पीठ ने सोशल मीडिया का दौर होने और अदालत में सुनवाई के सीधा प्रसारण का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत तौर पर अदालतामें में उपस्थित न्यायाधीशों, वकीलों और वादियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है कि वे समुदाय पर लापरवाहीपूर्ण टिप्पणियों के व्यापक प्रभाव के प्रति सचेत रहें।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा उसके समक्ष दायर एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने एक जनवरी, 2022 से अदालत की सुनवाई की 'लाइव-स्ट्रीमिंग' और रिकॉर्डिंग से संबंधित नियमों को अधिसूचित किया है।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि उन्हें आश्चर्य है कि क्या उच्चतम न्यायालय द्वारा उठाया गया मामला एक आंतरिक प्रक्रिया हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा खुद स्पष्टीकरण दिए जाने के बाद उन्हें इस मामले को और अधिक खींचने का कोई कारण नहीं दिखता। मेहता ने कहा, ''यह मेरा निजी विचार है।'' उन्होंने कहा, ''अब हम जनता की नजर में हैं और दोनों तरफ से हमें थोड़ा सतर्क रहना होगा।''

उच्चतम न्यायालय ने 20 सितंबर को दोनों शीर्ष विधि अधिकारियों से इस मामले में सहायता करने का अनुरोध किया था। इसने एक मामले में अदालती कार्यवाही के दौरान एक महिला वकील के खिलाफ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों और एक अन्य मामले में बेंगलूरु के मुस्लिम बहुल क्षेत्र को ''पाकिस्तान'' कहने पर स्वतः संज्ञान लिया था। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को इस विषय के संबंध में कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से प्रशासनिक निर्देश प्राप्त करने के बाद एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा था।

भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री ने कुछ गलत नहीं किया, बेदाग होकर निकलेंगे : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कथित एमयूडीए भूमि आवंटन घोटाले के मामले में बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का समर्थन किया और कहा कि कांग्रेस नेता ने कुछ गलत नहीं किया और वह मामले में बेदाग होकर बाहर निकलेंगे। शिवकुमार ने यह भी कहा कि सिद्दरामय्या की मामले में कोई भूमिका नहीं है, हालांकि अधिकारियों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, उनकी (सिद्दरामय्या) संलिप्तता की जांच को लेकर अदालत के दिये गये आदेश की तामील होगी। हम आश्वस्त हैं कि मुख्यमंत्री की इसमें कोई संलिप्तता नहीं है। उन्होंने कहा, अगर कुछ गलत हुआ है तो यह अधिकारियों द्वारा किया गया होगा, जिसके बारे में मुझे नहीं पता लेकिन इसमें मुख्यमंत्री की कोई संलिप्तता नहीं है। मैं यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर रहा हूं। वह बेदाग निकलेंगे। यही संदेश है।

शिवकुमार ने कहा कि कुछ लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि मुख्यमंत्री ने कुछ गलत किया है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल सेक्युलर (जद-एस) द्वारा सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग पर शिवकुमार ने कहा, जो लोग राजनीति करते हैं, वे ऐसा करते रहेंगे लेकिन कानून और राजनीति में अंतर है। उन्होंने कहा, कई केंद्रीय मंत्रियों के खिलाफ कई तरह की जांच चल रही हैं लेकिन वे अब भी अपने पद पर बने हुए हैं। पहले उन्हें इस्तीफा देने दीजिए, फिर हम सिद्दरामय्या के इस्तीफे पर चर्चा करेंगे।

भाजपा, जद (एस) कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास घेरने का प्रयास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दलों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जद (एस) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उच्च न्यायालय के फैसले के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग तेज करते हुए यहां उनके आवास कावेरी के घेराव का प्रयास किया। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के सदस्यों ने कावेरी की ओर मार्च करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उनका प्रयास विफल कर दिया। पुलिस ऐहतियात के तौर पर उन्हें हिरासत में लेते हुए बस में बिठाकर ले गई।

पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल जद (एस) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यहां फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन कर कावेरी की ओर बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। उच्च न्यायालय ने एमयूडीए द्वारा सिद्दरामय्या की पत्नी बी.एम. पार्वती को 14 भूखंड आवंटित करने में अनियमितताएं बरतने के मामले में सिद्दरामय्या के खिलाफ जांच कराने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी को मंगलवार को बरकरार रखा था। अदालत ने राज्यपाल के 16 अगस्त के आदेश की वैधता को चुनौती देने वाली सिद्दरामय्या की याचिका खारिज कर दी थी, जिसके तहत राज्यपाल ने भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) अधिनियम, 1988 की धारा 17 ए के तहत जांच को मंजूरी दी थी।

राजीव गांधी विश्वविद्यालय को चरणबद्ध तरीके से रामनगर में स्थानांतरित किया जाएगा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, राजीव गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी को चरणबद्ध तरीके से रामानगर में स्थानांतरित करने और कनकपुरा मेडिकल कॉलेज के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए एनएमसी (राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग) को फिर से आवेदन करने का निर्णय लिया गया है।

विधान सौधा में रामनगरा और कनकपुरा सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना और कामकाज को लेकर बुधवार को एक बैठक डीसीएम डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में बुलाई गई जिसमें चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, आवास मंत्री जमीर अहमद, कुलपति और विधायक शिवालिंगेगौड़ा ने भाग लिया।

बैठक के बाद एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, शिवकुमार ने कहा, रामनगर में भवन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की समस्या का समाधान किया जा रहा है और यह काम शीघ्र पूरा किया जा रहा है। रामनगर में मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जा रहा है। मैंने मेडिकल यूनिवर्सिटी के केंद्रीय कार्यालय को रामनगर में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया है। इस संबंध में पूर्व में एक सरकारी आदेश जारी किया जा चुका है और इसे चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। बजट में कनकपुरा में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की गई थी। हाउसिंग बोर्ड से जमीन अधिग्रहण कर कॉलेज भवन का निर्माण कराया जायेगा। आवेदन को एनएमसी ने इस आधार पर खारिज कर दिया था कि कनकपुरा में कोई बुनियादी ढांचा नहीं था। इसलिए आज की बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने और नया आवेदन देने का निर्णय लिया गया है।

''इससे पहले कनकपुरा में मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए टेंडर बुलाए गए थे और भूमि पूजन भी किया गया था। बाद में येडीयुरप्पा सरकार में पूर्व मंत्री सुधाकर उस मेडिकल कॉलेज को चिक्काबल्लापुर ले गए। मेडिकल कॉलेज की निर्माण लागत जो उस समय 450 करोड़ रुपये थी, वह बढ़कर 850 करोड़ रुपये हो गयी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने नफरत की राजनीति कर रही है। हमने बजट में इसकी घोषणा की है और इसे चरणों में पूरा करेंगे। हम कॉलेज निर्माण की अनुमति के लिए दोबारा आवेदन करेंगे। रामनगर में निर्माण कार्य के लिए 600 करोड़ जारी किए गए हैं और काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा, ''हम विकास के मुद्दे पर राजनीति नहीं करते।''

जब उनसे पूछा गया कि यूनिवर्सिटी कब शिफ्ट होगी तो उन्होंने कहा, ''2008 में एक सरकारी आदेश जारी किया गया था और एक बिल पेश किया गया था कि राजीव गांधी यूनिवर्सिटी का निर्माण रामनगर के मुख्य कार्यालय में किया जाना चाहिए। इसे चरणबद्ध तरीके से स्थानांतरित किया जाएगा।

सिद्दरामय्या के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसौधा में गांधी प्रतिमा के पास प्रदर्शन कर रहे भाजपा और जद (एस) नेताओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''किस मामले में किस केंद्रीय मंत्री के खिलाफ जांच चल रही है।

खेल मैदान में गेट गिरने से हुई बालक की मौत

उपमुख्यमंत्री ने दिया दस लाख का मुआवजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बीबीएमपी खेल के मैदान का गेट गिरने से हुई बालक निरंजन की मौत के बाद उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मल्लेश्वरम् स्थित उनके आवास का दौरा किया। शिवकुमार ने बालक के अभिभावकों से मुलाकात कर 10 लाख रुपए मुआवजा चेक भेंट किया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव भी उपस्थित थे। बाद में उन्होंने मीडिया को बताया कि बीबीएमपी खेल के मैदान पर गेट गिरने से बालक की मौत हो गई थी। मैं उनके घर आया और लड़के के माता-पिता से मिला। बीबीएमपी की ओर से 5 लाख और पार्टी (ब्लॉक कांग्रेस) की ओर से 5 लाख समेत कुल 10 लाख का चेक परिवार को दिया गया। परिवार ने मृत लड़के की आंखें दान कर दीं और हमारे लिए एक आदर्श बन गए। हमें गरीबी के बावजूद समाज और देश को दान देने के फैसले की सराहना करनी चाहिए। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अपने बेटे को खोने का दर्द सहने की शक्ति दे।'

कांग्रेस पार्टी इस परिवार के साथ खड़ी रहेगी। दिनेश गुंडुराव का फाउंडेशन मृतक लड़के की छोटी बहन की शिक्षा में मदद करेगा। हम मानवता की दृष्टि से यह सहायता प्रदान कर रहे हैं। यही हमारा धर्म है। यह घटना बीबीएमपी की लापरवाही के कारण हुई और जब उनसे पूछा गया कि क्या अन्य पार्कों और मैदानों में भी स्थिति ऐसी ही है, तो उन्होंने कहा, 'हमने इस मामले की रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट के बाद हम फैसला करेंगे। बेंगलूरु के अन्य हिस्सों में गेट निरीक्षण किया जाएगा।

बेंगलूरु महिला हत्याकांड का संदिग्ध ओडिशा में फरार, कई टीम भेजी गईं: गृह मंत्री

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिली है कि 29 वर्षीय महिला की नृशंस हत्या में शामिल संदिग्ध ओडिशा में मौजूद है। उसे पकड़ने के लिए और मामले को सुलझाने के लिए टीम को वहां भेजा गया है। जी. परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं को बताया, ''हमने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है क्योंकि इस हत्या ने पूरे बेंगलूरु को हिलाकर रख दिया है।''

उन्होंने कहा, ''पुलिस ने पता लगा लिया है कि वह व्यक्ति ओडिशा में है और पुलिस को इस अपराध के पीछे जो जानकारी मिली है उसमें भी इसी संदिग्ध का हाथ है। पुलिस ने वहां तीन से चार टीम भेजी हैं। बताया जा रहा है कि वह जगह बदल-बदल कर भाग रहा है।'' बेंगलूरु में मल्लेश्वरम इलाके की एक इमारत में महालक्ष्मी की हत्या कर शव के 50 से अधिक टुकड़े किये गए, जो एक फ्रिज से बरामद हुए हैं। महालक्ष्मी की मां और बहन के शनिवार को उनके घर पहुंचने पर घटना की जानकारी मिली।

परमेश्वर ने कहा, ''उसे पकड़ने के बाद हमें और जानकारी मिलेगी... दो-तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, लेकिन उपलब्ध साक्ष्यों और सूचना के आधार पर (ओडिशा के) एक व्यक्ति की संलिप्तता पर संदेह है। इसलिए उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।''

दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद की मौलिक विचार दृष्टि दी : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बुधवार को धानक्या में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राष्ट्रीय स्मारक स्थल पहुंचे और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। राज्यपाल ने वहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन से जुड़ी स्मृतियों पर आधारित संग्रहालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सम्पूर्ण जीवन आदर्श का आलोक था। बागड़े ने कहा, एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने युगीन संदर्भों में भारतीय सनातन संस्कृति को आधुनिक दृष्टि दी।

उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ की यादें भी साझा कीं और कहा कि उनका सान्निध्य किसी महा मानव के समीप रहने की अनुभूति है। राज्यपाल ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने हमें एकात्म मानववाद की मौलिक विचार दृष्टि ही नहीं दी बल्कि अंत्योदय के विचारों और शिक्षाओं से आम जन के कल्याण के लिए प्रेरित किया। राजभवन के बयान के अनुसार, उन्होंने मुंबई में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सान्निध्य को याद करते हुए कहा, पंडित दीनदयाल जी की कथनी और करनी एक थी। वह विराट मानवीय दृष्टि के युगपुरुष थे। इस अवसर पर राजस्थान धरोहर बोर्ड के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने पंडित उपाध्याय के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर राजस्थान में भाजपा का 'महा सदस्यता दिवस'

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को राजस्थान में महा सदस्यता दिवस के रूप में मनाया। भाजपा की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दौसा का दौरा कर वहां एक बूथ पर लोगों को संबोधित किया और उन्हें पार्टी से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह एक परिवार की तरह है। राठौड़ ने उपाध्याय के बारे में कहा कि उन्होंने समाज को एक नया विचार दिया।

उन्होंने कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एक नया विचार समाज को दिया और यह विचार यह था कि हमें ऐसी राजनीति करनी है कि जैसा मैं अपने परिवार के लिए सोचता हूं, वैसा मैं सबके लिए सोचूं। जैसी सुविधाएं मुझे चाहिए वैसी सुविधाएं सबको मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, पंडित उपाध्याय ने यह बात सबको सिखाई कि आप राजनीति करो तो ऐसी राजनीति करो कि सब मजबूत हों... केवल मेरा परिवार ही मजबूत नहीं हो... सबका परिवार मजबूत बने।

संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी मामले में शेखावत को क्लीन चिट मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी मामले में बड़ी राहत मिली है। कोर्ट से क्लीन चिट मिली है। दरअसल, संजीवनी घोटाले मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह के खिलाफ ठोस सबूत नहीं है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने शेखावत पर घोटाले में शामिल होने के आरोप लगाते रहे है। जबकि गजेंद्र सिंह शेखावत कहते रहे है कि घोटाले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। जस्टिस अरुण मोंगा की बेंच में सुनवाई हुई। ड्जत्र ने जांच के अनुसंधान में गजेंद्र सिंह शेखावत को अभी तक दोषी नहीं माना। कहा कि आज की स्थिति में शेखावत आरोपी नहीं है। जांच में किसी भी प्रकार का दोष नहीं साबित हुआ है।

दरअसल, शेखावत की ओर से दायर याचिका में एफआईआर के साथ-साथ जांच को भी रद्द करने को लेकर मांग की गई थी। 17 सितंबर 2024 को जस्टिस अरुण मोंगा की बेंच ने मामले में अंतिम आदेश पारित करते हुए एसओजी को इस सवाल का जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया कि क्या एसओजी गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने का इरादा रखता है। मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की ओर से एक विस्तृत रिपोर्ट दायर की गई, जिसमें कहा गया कि गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ कोई भी सबूत नहीं है और कंपनियों में निदेशक के रूप में उनके इस्तीफे के बाद किए गए कृत्यों के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

ऐसे में कोर्ट ने आदेश पारित करते हुए निर्देश दिया कि एसओजी द्वारा प्रस्तुत की गई विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर याचिकाकर्ता गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। एडवोकेट आदित्य विक्रम सिंह ने जानकारी दी कि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि एसओजी ट्रायल कोर्ट से अनुमति लिए बिना शेखावत के खिलाफ आगे की जांच नहीं कर सकती है।

संजीवनी प्रकरण में अदालत के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज सत्य की जीत हुई है। किसी भी सत्य को झूठ के आडंबर से बहुत दिन तक नहीं ढंका जा सकता है। यपुर में बुधवार को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए बगैर उन पर तंज कसते हुए शेखावत ने कहा कि अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं, अपने बेटे की पराजय और प्रदेश की जनता द्वारा भाजपा को विजय दिलाने की खींझ से उपजी मानसिकता के तहत जिस तरह झूठे केस में मुझे घसीटने को कोशिश की गई थी। आज राजस्थान उच्च न्यायालय ने उस केस को बंद कर दिया है और आगे भी कोर्ट के आदेश के बिना जांच नहीं करने का आदेश भी दिया है। कोर्ट का आदेश इस बात बात को साबित करता है कि मुझे फंसाने का किस तरह का कुत्सित प्रयास किया गया था।

मुलाकात

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात की। मुलाकात के उपरांत उप मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय मंत्री के साथ राजस्थान में जल संरक्षण, जल प्रबंधन एवं पेयजल आपूर्ति संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

स्वागत

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के तारपुरा हेलीपेड सीकर पहुंचने पर उनकी अगवानी की। राज्यपाल ने हेलीपेड पर पुष्पगुच्छ भेंट कर उप राष्ट्रपति धनखड़ का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

भाजपा की पूर्व विधायक सूर्यकांता व्यास का निधन

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व विधायक सूर्यकांता व्यास का बुधवार को राजस्थान के जोधपुर में निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार वह लंबे समय से बीमार थीं। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और तमाम नेताओं ने उनके निधन पर शोक जताया है। व्यास 1990 में पहली बार विधायक चुनी गई थीं। वह सूरसागर एवं जोधपुर सीट से तीन तीन बार विधायक रहीं। उन्हें 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने टिकट नहीं दिया। राजभवन के बयान के अनुसार राज्यपाल ने व्यास के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने व्यास के निधन पर शोक जताते हुए 'एक्स' पर लिखा, सूरसागर विधानसभा से पूर्व विधायक, भाजपा परिवार की वरिष्ठ सदस्या, सूर्यकान्ता व्यास 'जीजी' के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। उन्होंने लिखा कि कुछ दिन पूर्व ही उनसे भेंट हुई थी जहां उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा, मेरे प्रति उनका अपार स्नेह और वात्सल्य सदैव बना रहा। शर्मा ने कहा, व्यास का निधन भारतीय जनता पार्टी परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित अनेक नेताओं ने व्यास के निधन पर शोक जताया है।

फोन-टैपिंग मामला: दिल्ली पुलिस ने गहलोत के पूर्व ओएसडी से पूछताछ की

नयी दिल्ली/जयपुर। दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत के आधार पर दर्ज फोन टैपिंग मामले में बुधवार को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पूर्व ओएसडी लोकेश शर्मा से पूछताछ की। शर्मा को रोहिणी में स्थित दिल्ली पुलिस के अपराध शाखा कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि वह पूर्वाह्न करीब 11 बजे कार्यालय पहुंचे। इस बार शर्मा से पूछताछ गहलोत के लिए चिंता का विषय हो सकती है क्योंकि शर्मा ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया है कि 2020 में राजस्थान में तत्कालीन कांग्रेस सरकार को गिराने को लेकर शेखावत और कांग्रेस के कुछ नेताओं के बीच कथित तौर पर टेलीफोन पर हुई बातचीत की एक ऑडियो क्लिप खुद गहलोत ने उन्हें दी थी। इसके विपरीत शर्मा ने पहले कहा था कि उन्हें सोशल मीडिया पर तीन ऑडियो क्लिप मिले थे और उन्होंने उन्हें समाचार संस्थानों को भेज दिया था। मार्च 2021 में, दिल्ली पुलिस ने शेखावत की शिकायत पर शर्मा के खिलाफ आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात और गैरकानूनी तरीके से टेलीफोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सांसद सीपी जोशी ने राहुल गांधी का पासपोर्ट रद्द करने की मांग की

जयपुर। चित्तौड़गढ़ से सांसद और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पासपोर्ट रद्द करने का अनुरोध किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि विदेश की धरती पर राहुल गांधी के बयान किसी भी तरह से एक जिम्मेदार भारतीय नागरिक के तौर पर सही नहीं हैं। जोशी ने अपने पत्र में लिखा, राहुल गांधी के बयान राजनीतिक नहीं बल्कि विशुद्ध तौर पर देश विरोधी गतिविधियों के दायरे में आते हैं जो उनके आचरण को संदिग्ध बनाता है। उनके बयानों से देश की आंतरिक स्थिरता और सीमाओं की सुरक्षा के अलावा अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी असर पड़ सकता है क्योंकि वे नेता विपक्ष के पद का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। जोशी के अनुसार, इस तरह के आधारहीन और देश की छवि को धूमिल करने वाले बयानों को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में नहीं देखा जा सकता, ऐसे में ये जरूरी हो जाता है कि राहुल को नेता विपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद से इस्तीफा देना चाहिए।

इटली में विश्व स्तरीय स्टोन प्रदर्शनी 'मार्मोमैक-2024' में इंडिया स्टोनमार्ट पवेलियन का उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री विश्नोई ने किया उद्घाटन

जयपुर/दक्षिण भारत। इटली के वेरोना शहर में 24 से 27 सितंबर तक आयोजित हो रही स्टोन क्षेत्र की प्रमुख प्रदर्शनी मार्मोमैक-2024 में उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के. के. विश्नोई की अध्यक्षता में राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। विश्नोई ने प्रदर्शनी में इंडिया स्टोनमार्ट पवेलियन का उद्घाटन किया। उन्होंने जयपुर में दिसम्बर माह में आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान समिट-2024 एवं इंडिया स्टोनमार्ट-2026 के लिए सभी को आमंत्रित किया।

प्रदर्शनी के अध्यक्ष फ्रेडरिको ब्रिकोलो ने उद्योग राज्य मंत्री विश्नोई सहित प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय दूतावास रोम के डिप्टी चीफ ऑफ मिशन अमराराम एवं वाणिज्य सलाहकार आकाश गुप्ता, भारतीय वाणिज्य दूतावास मिलान के काउंसल राज कमल तथा विभिन्न उद्यमी भी उपस्थित रहे।

वेरोना में आयोजित इस विश्वस्तरीय स्टोन प्रदर्शनी में दुनियाभर से स्टोन, माइनिंग, प्रोसेसिंग, स्टोन क्राफ्ट, मशीन टूल्स, केमिकल्स और अन्य संबंधित क्षेत्रों से 1500 उद्यमियों ने हिस्सा लिया है। प्रदर्शनी में सीडोस (सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स) राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहा है। प्रदर्शनी में सीडोस द्वारा आगामी 5 फरवरी 2026 से 8 फरवरी 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाले इंडिया स्टोनमार्ट-2026 में स्टोन क्षेत्र से जुड़े देश-विदेश के उद्यमियों को आमंत्रित किया जाएगा।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल में विश्नोई के साथ प्रतिनिधिमंडल में कार्मिक विभाग के शासन सचिव केके पाठक, प्रमुख विशेषाधिकारी, मुख्यमंत्री टीजे कविथा, सीडोस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकुल रस्तोगी एवं उपाध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता, लघु उद्योग भारती, राजस्थान के राष्ट्रीय सचिव नरेश पारीक, उपाध्यक्ष नटवर लाल अजमेरा एवं महेन्द्र कुमार खुराना शामिल रहे।

दौसा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का कार्यकर्ताओं से संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बुधवार को दौसा विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के दौरान विभिन्न बूथों पर कार्यकर्ताओं की बैठकें कीं। इस दौरान उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान को बढ़ावा देने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। राठौड़ ने पत्रकारों से बातचीत में उपचुनाव के बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया, ीिरंिळपस कि पहले उपचुनाव की घोषणा होने दीजिए, उसके बाद ही इस पर कोई टिप्पणी की जाएगी। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा जयपुर के सेंट्रल पार्क में किए जा रहे धरने पर कहा कि गहलोत अपना काम कर रहे हैं और हम अपना काम कर रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्ष की भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि केवल विरोध करना उचित नहीं है। उन्होंने विपक्ष से सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की अपील की और सरकार के अच्छे कामों को भी मान्यता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, अगर सरकार में कोई कमी है तो उसे बताएं, हम जरूर सुधार करेंगे।

सीपी जोशी द्वारा राहुल गांधी के पासपोर्ट निरस्त करने के बयान पर राठौड़ ने कहा कि यह कानून का मामला है और इसमें किसी भी प्रकार की दखलंदाजी नहीं की जाएगी। उन्होंने फोन टैपिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी लोकेश शर्मा द्वारा पेनड्राइव दिल्ली ले जाने के सवाल पर कहा कि कानूनी मामलों को राजनीति से दूर रखना चाहिए। इस अवसर पर, राठौड़ का भव्य स्वागत किया गया, जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. प्रभुदयाल शर्मा की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक उनका स्वागत किया। उन्होंने ग्राम भंडाना रेलवे फाटक पर बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लिया और लवाण मंडल के ग्राम मलारना के बूथ संख्या 147 और नांगल राजावत के प्यारीवास ग्राम में प्रवास किया। दौसा शहर मंडल के पंचमुखी बालाजी मंदिर में भी राठौड़ ने बैठक को संबोधित किया।

जोशी का राहुल के बारे में बिरला को लिखा गया पत्र हास्यास्पद : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सी पी जोशी के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बारे में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे गये पत्र को हास्यास्पद एवं शरारतपूर्ण करार दिया है। गहलोत ने बुधवार को सोशल मीडिया पर कहा कि जोशी द्वारा राहुल गांधी के बारे में लोकसभा स्पीकर को लिखा गया पत्र ना सिर्फ हास्यास्पद है बल्कि शरारतपूर्ण है। राहुल गांधी ने अमरीका में सिख समाज एवं दलित वर्ग के बारे में जो कहा उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा उसे देशवासियों ने सुना है और उसमें कुछ भी ऐसा नहीं था जैसा भाजपा पेश करने की कोशिश कर रही है। भाजपा केवल राहुल गांधी को बदनाम करने का असफल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत देश के युवा, किसान, मजदूर, दलित, अल्पसंख्यक समेत हर वर्ग की आवाज हैं और उनकी भावनाओं को दुनिया के सामने रखना उनका कर्तव्य है।

सांचौर जिले को निरस्त नहीं करने की मांग को लेकर सुखराम बिश्नोई आमरण अनशन पर बैठे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालोर। सांचौर जिले को यथावत रखने की मांग को लेकर पूर्व राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई बुधवार को सांचौर कलेक्ट्रेट के सामने आमरण अनशन पर बैठ गए। जिला बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले ये आमरण अनशन शुरू किया गया है। पूर्व मंत्री ने बताया कि जब तक सरकार सांचौर जिले के निरस्तीकरण के मुद्दे पर स्पष्ट रूप से नहीं कह देती। तब तक उनका आमरण अनशन और धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

बिश्नोई ने बताया कि दो दिन पहले आई आईपीएस की ट्रांसफर लिस्ट में सांचौर एसपी को हटाकर जालोर एसपी को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। इससे लोगों को सांचौर जिले को निरस्त करने का डर सता रहा है। आमरण अनशन का यह कदम सांचौर जिले के हितों की रक्षा के लिए उठाया जा रहा है। वे किसी भी कीमत पर जिले को यथावत रखने के लिए संघर्ष करेंगे। सांचौर जिले का निरस्तीकरण क्षेत्र की जनता के विकास और उनकी आवश्यकताओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

उन्होंने राज्य सरकार से अपील की है कि वह जनता की भावनाओं को समझे और जिला निरस्त करने की किसी भी योजना को रोकने की घोषणा करें। यह अनशन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार इस मामले पर अपना निर्णय स्पष्ट नहीं कर देती। इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष हरीश पुरोहित सीलू, सभापति नरेश सेठ, हिंदू सिंह दूठवा, केशा राम मेहरा, जगमाला राम बिश्नोई भी अनशन स्थल पर मौजूद है।

एथनॉल की मांग के बीच मक्का क्षेत्र में निवेश चाहता है बिहार

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने स्थानीय उत्पादन में वृद्धि के बीच बुधवार को हाइब्रिड मक्का बीज उत्पादन और गोदाम सुविधाओं में निजी क्षेत्र के निवेश का आह्वान किया। उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित मक्का शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पांडेय ने इस साल रिकॉर्ड 10 लाख हेक्टेयर में मक्का की खेती करने के बिहार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की घोषणा की। भारत के पांचवें सबसे बड़े मक्का उत्पादक के रूप में, राज्य में किसानों की मक्का की खेती के प्रति पसंद में बदलाव देखा जा रहा है, क्योंकि बाजार में इसकी कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कहीं अधिक हैं। पांडेय ने फसल की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''मक्का अब केवल मानव और पशुओं के उपभोग के लिए नहीं रह गया है। यह अब एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल के माध्यम से हमारे वाहनों को शक्ति प्रदान कर रहा है।'' एथनॉल उत्पादन के लिए 'फीडस्टॉक' के रूप में मक्का को अनुमति देने के केंद्र के फैसले से मांग में कई गुना वृद्धि हुई है, जिससे राज्य भर में एथनॉल संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा मिला है। हालांकि, इस कृषि उछाल ने दो महत्वपूर्ण चुनौतियों-संकर मक्का के बीजों की कमी और भंडारण के लिए अपर्याप्त बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों को उजागर किया है। पांडेय ने कहा, ''हमें संकर मक्का के बीजों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। मैं निजी उद्योग को स्थानीय बीज उत्पादन में निवेश करने के लिए आमंत्रित करता हूं।'' उन्होंने कहा कि एक नई नीति तैयार की जा रही है, जिसके लिए जल्द ही रुचि पत्र जारी किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में इतिहास रचा जा रहा है : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में ''इतिहास रचा'' जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर कभी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बहिष्कार का आह्वान किया जाता था, वहां आज मतदान केंद्रों के बाहर लोग लंबी कतारों में खड़े हैं।

केंद्रशासित प्रदेश में दूसरे चरण के चुनाव में बुधवार को 26 विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे मतदान के बीच कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इस चरण का शत-प्रतिशत सीसीटीवी कवरेज हो रहा है और कोई भी भी देख सकता है कि वोट डालने के लिए युवा, महिलाएं, बुजुर्ग कतारों में खड़े हैं एवं अपनी बारी का धैर्य के साथ इंतजार कर रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अपने साथी निर्वाचन आयुक्तों ज्ञानेश कुमार एवं सुखबीर सिंह संधू की उपस्थिति में कहा, ''यह लोकतंत्र का पर्व है। उन क्षेत्रों में मतदान हो रहा है जहां पहले मतदान नहीं हुआ... अतीत में रूकावट डालने और बहिष्कार करने का आह्वान किया जाता था...। यह (वर्तमान मतदान) लोकतंत्र का उचित सम्मान है।'' चुनाव प्रक्रिया में मतदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की तारीफ करते हुए कुमार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में इतिहास रचा जा रहा है और इसके प्रभाव को लंबे समय तक महसूस किया जाएगा।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में अगली सुनवाई 30 सितंबर को

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद मामले की अगली सुनवाई की तिथि 30 सितंबर तय की है। बुधवार को जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई तो अदालत को बताया गया कि वादी (हिंदू पक्ष) की ओर कुछ मुकदमों में संशोधन की अनुमति मांगी गई है। वहीं कुछ वकीलों ने कहा कि उन्हें इन मामलों की आज सुनवाई होने के संबंध में पूर्व में सूचना नहीं मिल सकी थी। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति ने जैन ने एक अगस्त 2024 को हिंदू पक्ष के मुकदमों को चुनौती देने वाले मुस्लिम पक्ष के आवेदन खारिज कर दिए थे और कहा था कि हिंदू पक्ष के सभी मुकदमे पोषणीय (सुनवाई योग्य) हैं।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि ये मुकदमे समय सीमा, वक्फ अधिनियम और पूजा स्थल अधिनियम 1991 से बाधित नहीं हैं। पूजा स्थल अधिनियम किसी भी धार्मिक ढांचे को जो 15 अगस्त 1947 को मौजूद था, उसे परिवर्तित करने से रोकता है। हिंदू पक्ष ने शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाने के बाद जमीन का कब्जा लेने और मंदिर बहाल करने के लिए 18 मुकदमे दाखिल किए हैं। यह विवाद मथुरा में मुगल बादशाह औरंगजेब के समय की शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है जिसे कथित तौर पर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पर एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाया गया है। हालांकि, मुस्लिम पक्ष (शाही ईदगाह की प्रबंधन समिति और उप्र सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड) ने इन मुकदमों का विभिन्न आधार पर विरोध किया है।

योगी आदित्यनाथ ने कानून और व्यवस्था को बेहतर बनाया : उपराष्ट्रपति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून और व्यवस्था को बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा कि निवेश के लिए कानून और व्यवस्था से ज़्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की कार्यशैली के बीच तालमेल के कारण उत्तर प्रदेश 'उत्तम प्रदेश' बन गया है।

योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि चुनौतियों से घिरा उत्तर प्रदेश, आज प्रगति और विकास के प्रकाश स्तंभ में बदल गया है। धनखड़ ने कहा, ''निवेश के लिए कानून और व्यवस्था से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। कानून और व्यवस्था लोकतंत्र को परिभाषित करती है और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानून और व्यवस्था को परिभाषित करते हैं।'' उन्होंने कहा कि यही तालमेल 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' का उद्घाटन किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' का आयोजन यहां 25 से 29 सितंबर तक किया जाएगा। धनखड़ ने इस मौके पर कहा, '' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश को ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था दी है जिससे देश-विदेश के निवेशक उत्तर प्रदेश का रुख कर रहे हैं। राज्य में भ्रष्टाचार पर रोक लगी है। अपराध पर रोक लगी है और उद्योग को बढ़ावा देने का माहौल तैयार किया गया है।'' उन्होंने कहा, '' उत्तर प्रदेश भारत की वृद्धि में एक महत्वपूर्ण कारक साबित होगा। उत्तर प्रदेश कुछ दिन में भारत का उत्तम प्रदेश बनेगा। ''मुख्यमंत्री योगी ने कहा, '' 2017 में जब उत्तर प्रदेश में भाजपा नीत सरकार बनी तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की योजना को जमीनी धरातल पर उतारने के लिए कई कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया गया। ''

ओडिशाः योजनाओं पर रोक लगाने के लिए बीजद ने भाजपा सरकार को बताया आदिवासी विरोधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर 'आदिवासी विरोधी' होने का आरोप लगाते हुए बुधवार को पूर्ववर्ती नवीन पटनायक सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं को बंद कर आदिवासी समुदाय की कथित रूप से उपेक्षा करने के लिए हमला बोला।

बीजद सांसद निरंजन बिसी और सस्मित पात्रा तथा पार्टी के मीडिया समन्वयक प्रियव्रत माझी ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह आरोप लगाया। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पिछली बीजद सरकार अपने 24 साल के कार्यकाल में पंचायत विस्तार अनुसूचित क्षेत्रों (पेसा) अधिनियम को लागू करने सहित आदिवासी मुद्दों को हल करने में विफल रही। बीजद सांसद बिसी ने आरोप लगाया, भाजपा सरकार ने पिछली सरकार द्वारा बनाए गए विशेष विकास परिषद (एसडीसी) को खत्म कर दिया। एसडीसी के तहत आदिवासी लोगों को लाभ पहुंचाया गया और बीजद सरकार के दौरान विकास कार्य किए जा रहे थे। हालांकि, मोहन माझी सरकार ने इसे रोक दिया। उन्होंने दावा किया कि आदिवासी समुदाय के बीच अनिश्चितता और भय का माहौल हैं, क्योंकि भाजपा शासन में विकास रुक गया है। बिसी ने कहा, भाजपा सरकार के तहत आदिवासी विकास दूर का सपना बन गया है।

हेमंत सोरेन सरकार से 'ठगा' महसूस कर रहे झारखंड के लोग, बदलाव लाएंगेः मुंडा

सरायकेला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अर्जुन मुंडा ने बुधवार को दावा किया कि झारखंड के लोग हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली राज्य सरकार में 'ठगा' महसूस कर रहे हैं और जनता ने इस अकुशल सरकार को उखाड़ फेकने का मन बना लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री यहां सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा की परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य सभी मोर्चों पर मौजूदा सरकार की विफलता को उजागर करना है। राज्य सरकार आदिवासियों के हितों की बात करती है, लेकिन झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में आदिवासी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। आदिवासियों को होने वाला नुकसान आने वाले दिनों में दिखाई देगा।'' मुंडा ने कहा, भाजपा नीत केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि देश के लोगों को बुनियादी सुविधाएं मिलें, लेकिन झारखंड को भेजे जा रहे धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। सत्तारूढ़ गठबंधन के निर्वाचित प्रतिनिधि माफिया के माध्यम से केंद्रीय धन को लूटने में व्यस्त हैं। राज्य सरकार ने लूट का रिकॉर्ड बनाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था सबसे निचले स्तर पर पहुंच गयी और अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है, क्योंकि उन्हें प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है।

'चूहे जैसे' आरएसएस ने राज्य में की घुसपैठ, भाजपा ने झारखंड के कुछ नेताओं को खरीदा : हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना 'चूहों' से की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस पर चुनावी फायदे के लिए राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

साहिबगंज जिले के भोगनाडीह में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए सोरेन ने दावा किया कि भाजपा हिंदू और मुस्लिम समुदाय में द्वेष की बीज बो रही है। उन्होंने विशेष तौर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की इसमें संलिप्तता को रेखांकित किया। रांची से ऑनलाइन माध्यम से भोगनाडीह जनसभा को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा, ''आरएसएस चूहों की तरह राज्य में घुसपैठ कर इसे बर्बाद कर रही है। जब आप उन्हें गांवों में 'हंडिया' और 'दारू' के साथ दाखिल होते देखें को उनका पीछा कर खदेड़ें...वे चुनाव से पहले राजनीतिक लाभ के लिए सांप्रदायिक अशांति और तनाव पैदा करना चाहते हैं।'' सोरेन ने आरोप लगाया कि भाजपा समुदायों के बीच नफरत को बढ़ावा देने पर आमादा है। उन्होंने मंदिरों और मस्जिदों में मांस फेंकने जैसी भड़काऊ घटनाओं में वृद्धि की आशंका जताई। सोरेन ने भाजपा को कारोबारियों और उद्योगपतियों की पार्टी करार दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि वह अपने एजेंडे के लिए राजनीतिक नेताओं की खरीद कर रही है। उनका स्पष्ट संदर्भ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन द्वारा हाल में भाजपा में शामिल होने को लेकर था। चंपई ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर 'सम्मान नहीं देने और अपमानित करने' का आरोप लगा भाजपा का दामन थाम लिया था। मुख्यमंत्री ने झारखंड की जनसांख्यिकी में बदलाव के भाजपा के आरोपों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने आलोचकों को सलाह दी कि उन्हें पड़ोसी पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी को देखना चाहिए।

झारखंड सरकार ने सुरक्षा वाहनों को हटाकर मेरे जीवन को खतरे में डालाः चंपई

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर उनकी सुरक्षा में तैनात किये गये सभी वाहनों को हटाकर उनके जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाया। झामुमो के पूर्व नेता ने आरोप लगाया कि उनकी सुरक्षा में तैनात वाहनों को हटाना एक राजनीतिक साजिश है। चंपई सोरेन पिछले महीने भाजपा में शामिल हो गये थे।

चंपई ने कहा, ''झारखंड सरकार ने राजनीतिक साजिश के तहत मेरी जान को खतरे में डालते हुए मुझे दिये गये सभी सुरक्षा वाहनों को हटा लिया। मैं इस कदम से नहीं डरता। झारखंड की जनता मुझे सुरक्षा देगी।'' चंपई ने कहा कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया और लोग इस साल अंत में होने वाले विस चुनाव में झामुमो नीत गठबंधन को करारा जवाब देंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा ने झारखंड में राजनीतिक नेताओं को खरीद लिया है, चंपई ने कहा, ''कोई भी मुझे खरीदने की हिम्मत नहीं कर सकता। मैंने झामुमो छोड़ने की परिस्थितियों और कारणों को स्पष्ट कर दिया है।''

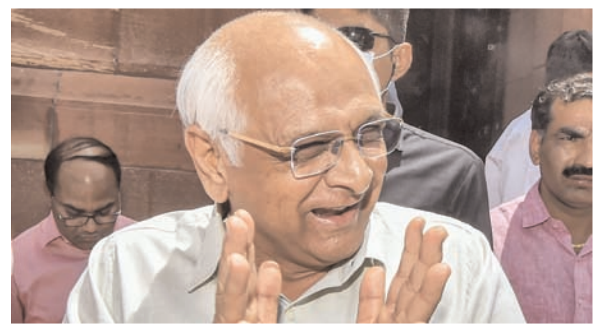

'राष्ट्र प्रथम' भाजपा का केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता है : भूपेंद्र पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विकास की राजनीति में विश्वास करती है और 'राष्ट्र प्रथम' केवल पार्टी का सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता है। पटेल ने सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा द्वारा हाल ही में शुरू किए गए सदस्यता अभियान के तहत एक आवासीय सोसायटी में आयोजित एक कार्यक्रम में नागरिकों का पार्टी के प्राथमिक सदस्यों के रूप में पंजीकरण कराया।

पार्टी की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, अहमदाबाद शहर की घाटलोदिया विधानसभा सीट से विधायक पटेल सुबह अपने निर्वाचन क्षेत्र के बोपल इलाके में एक आवासीय सोसायटी पहुंचे और वहां मौजूद कुछ लोगों का पार्टी के सदस्य के रूप में पंजीकरण कराया।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत, घाटलोदिया विधानसभा क्षेत्र के नागरिक आज (बुधवार) भाजपा में शामिल हुए। भाजपा विकास की राजनीति में विश्वास करती है। 'राष्ट्र प्रथम' हमारा सिद्धांत नहीं बल्कि प्रतिबद्धता भी है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस अभियान के तहत आम लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने के लिए इसी तरह के कार्यक्रम इस महीने के प्रारंभ से पूरे राज्य में आयोजित किए जा रहे हैं।

दुबे के पत्र पर कांग्रेस ने कहा : लोकतंत्र का मजाक उड़ा रही है भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता निशिकांत दुबे के उस पत्र को लोकतंत्र का मजाक करार दिया जिसमें कहा गया है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसदीय समिति के पास आए करीब 1.25 करोड़ प्रतिवेदनों की जांच होनी चाहिए। पार्टी की गुजरात इकाई के अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि हो सकता है कि दुबे जो दावा कर रहे हैं वो भाजपा के 'चट्टे-बट्टों' का किया धरा हो।

गोहिल ने कहा, ''ये लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहे हैं। उनको लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। अगर इतने बड़े देश में डेढ़ प्रतिशत लोग विचार जाहिर कर रहे हैं तो इसमें भी इनको दर्द होता है तो साफ है कि इन्हें लोकतंत्र में विश्वास नहीं है।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि दुबे को मंत्री बनाया जाना चाहिए था। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसदीय समिति को मिले करीब 1.25 करोड़ प्रतिवेदनों को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि गृह मंत्रालय के स्तर पर इनके स्रोत की जांच होनी चाहिए। उन्होंने आशंका जताई कि इतनी अधिक संख्या में आवेदन मिलने के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और चीन की भूमिका हो सकती है। दुबे ने संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल को लिखे पत्र में कहा कि जांच के दायरे में कट्टरपंथी संगठनों, जाकिर नाइक जैसे व्यक्तियों और पाक की आईएसआई व चीन जैसी विदेशी शक्तियों के साथ ही उनके छद्म प्रतिनिधियों की संभावित भूमिका को भी शामिल किया जाना चाहिए।

एआई से महाकुंभ में श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम बनाई जाएगीः प्रमुख सचिव अमृत अभिजात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। अगले साल जनवरी में यहां होने जा रहे महाकुंभ मेले की तैयारियों का जायजा लेने संगम क्षेत्र पहुंचे प्रमुख सचिव (नगर विकास) अमृत अभिजात ने बुधवार को कहा कि इस बार मेले में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सूचना प्रौद्योगिकी की मदद से श्रद्धालुओं की यात्रा बहुत सुगम बनाई जाएगी।

मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि सरकार मेले में भीड़ प्रबंधन के लिए एआई से युक्त कैमरे लगाएगी। वहीं यात्री सुविधाओं के लिए अन्य सूचना प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाएगा। यहां प्रयागराज मेला प्राधिकरण में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद प्रमुख सचिव ने संवाददाताओं को बताया कि कुंभ मेले की तैयारी के लिहाज से अगले 40-45 दिन बहुत महत्वपूर्ण हैं तथा अगले 10 नवंबर तक तैयारियां पूरी हो जाएंगी। उन्होंने कहा, चार-पांच विभाग सड़कों के चौड़ीकरण का काम कर रहे हैं। बारिश की वजह से काम धीमा रहा। करीब 34 विभाग मेले के लिए काम कर रहे हैं। हमें पिछले कुंभ के मुकाबले डेढ़ से दोगुना यातायात अधिक रहने की उम्मीद है। अमृत अभिजात ने बताया कि मेले की तैयारी को लेकर प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक हो रही है।

रोहित शर्मा से मददगार कप्तान के नेतृत्व में नहीं खेला : आकाश दीप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल हुए आकाश दीप ने घरेलू क्रिकेट से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सहज बदलाव का श्रेय बुधवार को कप्तान रोहित शर्मा को देते हुए कहा कि टीम के महान खिलाड़ियों का काम करने का असाधारण तरीका उन्हें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है।

आकाश दीप (27 वर्ष) ने इस साल की शुरुआत में रांची में इंग्लैंड के खिलाफ़ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और तीन विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले आकाश ने कहा, ''जब मैं यहां आया तो मैंने खेल के महान खिलाड़ियों और क्रिकेट के भगवान माने जाने वाले रोहित, विराट (कोहली) भाई जैसे क्रिकेटरों के समर्पण और कड़ी मेहनत का एक अलग ही स्तर देखा। '' उन्होंने कहा, ''मैंने महसूस किया कि उन्होंने बहुत कुछ हासिल कर लिया है और अब भी ट्रेनिंग के दौरान कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनके सोचने की प्रक्रिया एक अलग स्तर पर है और यह मुझे और भी कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। ''

आकाश ने अपनी निजी जिंदगी में बहुत कुछ झेला है। उन्होंने दो महीने के अंदर अपने पिता और भाई को खो दिया था। शायद उन मुश्किल परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बना दिया और यही गुण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलने के लिए अहम होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में जब वह आये तो कप्तान रोहित शर्मा के काम करने के आसान तरीके से उनके लिए चीजें आसान कर दी।

आकाश ने कहा, ''मुझे शुरू में हिचकिचाहट होती थी कि दबाव होगा लेकिन रोहित भैया ने चीजें इतनी सरल कर दीं। मैं इतनी मदद करने वाले कप्तान की अगुआई में नहीं खेला था। वह चीजें सरल रखते हैं, मुझे कभी नहीं लगा कि मैं घरेलू क्रिकेट खेल रहा हूं या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट। ''

आकाश ने कहा कि वह आगे की चुनौतियों के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''घरेलू प्रारूप ही इतना अच्छा है कि जब तक आप इस चरण तक पहुंचते हो, आप पहले ही जान जाते हो कि क्या करना है। आप जानते हो कि आपसे क्या करने की उम्मीद की जाती है। इस तरह का कोई संदेह नहीं रहता। ''

धवन ने कहा, राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने की प्रेरणा नहीं बची थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/भाषा। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने बुधवार को खुलासा किया कि राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने की उनके पास 'प्रेरणा' नहीं बची थी और यही कारण था कि उन्होंने पिछले महीने खेल से संन्यास लेने का फैसला किया।

भारत के लिए 2013 से 2022 के बीच 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने के बाद 38 साल के धवन ने अगस्त में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया। संन्यास ले चुके क्रिकेट के टूर्नामेंट लीजेंड्स लीग क्रिकेट के इतर धवन ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं घरेलू क्रिकेट नहीं खेलना चाहता था जो मैंने 18 या 19 साल की उम्र में खेलना शुरू कर दिया था। मेरे अंदर से क्रिकेट के इस प्रारूप को खेलने के लिए प्रेरणा नहीं थी।'' धवन 2021 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भारत के 25वें एकदिवसीय कप्तान बने जब उन्होंने रोहित की जगह कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने 12 मैच में टीम की अगुआई की जिसमें भारत ने सात मैच जीते। हालांकि पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप से पहले धवन को युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के लिए टीम में जगह बनानी पड़ी। भारत के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2022 में था। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा,''अगर मैं पीछे मुड़कर देखूं तो पिछले दो साल में मैं बहुत ज्यादा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल रहा था और मैं सिर्फ आईपीएल खेल रहा था इसलिए मैं ज्यादा क्रिकेट (कुल मिलाकर) नहीं खेल रहा था।'' उन्होंने आईपीएल में 222 मैचों में दो शतक और 51 अर्धशतक सहित 6769 रन बनाए। टूर्नामेंट में उनके 768 चौके किसी भी बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सबसे अधिक चौके हैं और उन्होंने आईपीएल में लगातार शतक लगाने वाला पहला बल्लेबाजी बनने की उपलब्धि भी हासिल की।

सुविचार

सुखी वो नही जिसके पास सब कुछ है, सुखी वो है जिसके पास संतुष्टि है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेहत और भरोसे के साथ खिलवाड़

खानपान की चीजों में गंदगी और मानव अपशिष्ट मिलाकर बेचने की घटनाओं के मद्देनज़र उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और सभी खाद्य केंद्रों पर संचालकों / प्रबंधकों के नाम–पते का अनिवार्य रूप से उल्लेख करने संबंधी निर्देश स्वागत–योग्य हैं। हाल में सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हुए थे, जिनमें कुछ लोग खानपान की चीजों में जानबूझकर गंदगी मिलाकर बेचते पाए गए थे। जिन ग्राहकों ने पूर्व में उनसे चीजें लेकर खाईं, जब उन्हें पता चला होगा कि विक्रेता ने क्या–क्या मिलाकर हमें खिला दिया, तो सब पर क्या बीती होगी? यह ग्राहकों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है। साथ ही नैतिक रूप से पतन की पराकाष्ठा है। ऐसे लोगों को कठोर दंड मिलना ही चाहिए, ताकि जिनके मन में भी भविष्य में ऐसी खुराफातें करने की तरंगें उठ रही हैं, उन्हें सबक मिल जाए। सोशल मीडिया पर विभिन्न राज्यों के ऐसे कई वीडियो वर्षों से वायरल हो रहे हैं, लेकिन सरकारों ने कोई ऐसा कदम नहीं उठाया, जिससे इस तरह का अपराध करने वाले लोग हतोत्साहित हों। एक विवाह कार्यक्रम में उस समय हंगामा मच गया, जब रोटियां बना रहा लड़का उन पर घी के साथ थूक लगाता पकड़ा गया था। दरअसल किसी मेहमान की उस पर नज़र पड़ गई थी। उसने तुरंत उसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था। बाद में उसे सबूत के तौर पर पेश करते हुए मामला उठाया तो लोगों को असलियत पता चली। अगर उसने इस ओर ध्यान नहीं दिया होता तो सभी मेहमान थूक लगीं रोटियां खाते और खुशी–खुशी अपने घर चले जाते। एक जूस विक्रेता ने तो हद ही कर दी। वह जूस में मानव मूत्र मिलाकर लोगों को पिला रहा था। जब उसकी करतूत वीडियो में कैद हुई तो पर्दाफाश हुआ। उसने न जाने कितने ही लोगों के साथ ऐसा किया होगा!

ये तो कुछ ही घटनाएं हैं, जो सामने आ गईं। हो सकता है कि ऐसी कई घटनाएं सामने नहीं आई हों। लोगों की सेहत और भरोसे के साथ ऐसा खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं होनी चाहिए। ढाबों, रेस्तरां और खानपान संबंधी चीजों का व्यवसाय करने वाले प्रतिष्ठानों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। वह प्रतिष्ठान कौन चला रहा है, कौन भोजन पका रहा है, कौन परोस रहा है, किस–किस सामग्री का उपयोग हुआ है ... इन सब बातों की जानकारी ग्राहक को मिलनी चाहिए। जहां खानपान की चीजें बन रही हैं, वहां सफाई की व्यवस्था कैसी है, बर्तन ठीक तरह से धुले हुए हैं या नहीं, कर्मचारी शारीरिक स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं ... जैसे कई सवालों के जवाब मिलने चाहिएं। इसके लिए प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने अनिवार्य हों और जो ग्राहक उन्हें देखना चाहे, उसे देखने का पूरा अधिकार हो। सरकार को ऐसी व्यवस्था को लेकर विचार करना चाहिए, जिसके तहत मेन्यू पर क्यूआर कोड लगा दिया जाए। जब कोई ग्राहक उसे स्कैन करे तो प्रतिष्ठान के बारे में जरूरी जानकारी तुरंत सामने आ जाए। जो लोग खानपान की चीजों में जानबूझकर गंदगी मिलाते हैं, उनकी मानसिकता को समझना जरूरी है। इसे सामान्य शरारत समझने की भूल न करें, जैसा कि कुछ लोग उन्हें 'नादान' बताकर पैरवी करते मिल जाते हैं। क्या वे नहीं जानते कि खानपान की चीजों में ऐसी मिलावट से ग्राहकों को गंभीर बीमारियां हो सकती हैं, उनकी जान खतरे में पड़ सकती है? ऐसे अपराधी अपने मन में दूसरों के लिए घृणा लिए फिर रहे हैं। उनका भंडाफोड़ होना चाहिए। उनके लिए कठोर दंड के प्रावधान होने चाहिएं। खानपान की सभी चीजों की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए ग्राहकों को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। प्रतिष्ठान के संचालक की यह जिम्मेदारी तय करनी होगी कि वह हर ग्राहक को जरूरी जानकारी उपलब्ध कराए। जो प्रतिष्ठान आनाकानी करे, उससे दूर रहना ही बेहतर है।

ट्वीटर टॉक

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, श्रद्धेय के. जना कृष्णमूर्ति जी की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि। माँ भारती की सेवा और समाज कल्याण के लिए किये गए आपके कार्य हम जैसे असंख्य कार्यकर्त्ताओं को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

–अर्जुनराम मेघवाल

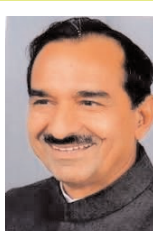

नोखा केड़ली, बीकानेर के वीर सपूत श्री रामस्वरूप कस्वां जी, माँ भारती की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए हैं। मैं उन्हें नमन करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शहीद के परिजनों को यह असीम दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

–मदन राठौड़

आज राजस्थान उच्च न्यायालय ने उस केस को बंद कर दिया है और आगे भी कोर्ट के आदेश के बिना जांच नहीं करने का आदेश भी दिया है। कोर्ट का आदेश इस बात बात को साबित करता है कि मुझे फंसाने का किस तरह का कुत्सित प्रयास किया गया था।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

नकारात्मकता का फल

एक रसदार फलों का वृक्ष था। जब उस पर फल आते तो लोग वृक्ष के नीचे तथा उसके पास पड़े पत्थरों से फल तोड़कर ले जाते। इससे वृक्ष प्राय: जख्मी हो जाता। एक दिन उसने पत्थर से कहा, 'भाई, हमारी–तुम्हारी कोई शत्रुता नहीं है, फिर तुम मनुष्य के हाथों मुझे क्यों मारते हो? इससे तुम्हें कोई लाभ भी नहीं है क्योंकि तुम्हारे जरिए तोड़े गए सारे फल मनुष्य ले जाता है।' पत्थर बोला, 'देखो भाई! मैं सदा धरती पर ऐसे पड़ा–पड़ा ठोकर खाकर दुखी होता रहता हूं और फिर भी तुम्हारे फलों से लदे स्वरूप को सदा निहारता हूं, पर तुम कभी भी मेरी तरफ देखना पसंद नहीं करते। सो, न तुम मेरे दुख को समझते हो और न मेरे अस्तित्व को ही पहचानते हो। अत: आदमी फल तोड़ते समय मुझे मौका देता है कि मैं तुम्हें अपने अस्तित्व से परिचित कराऊं, तब मुझे खुशी होती है क्योंकि वह मुझे फल तोड़ने का माध्यम बनाता है। इससे मनुष्य को फल और मुझे संतोष तथा तृप्ति मिलती है।' पास खड़े मनुष्य ने जब इन दोनों की बात सुनी तो वह खुश हो गया। उसने मन ही मन निश्चय किया कि पत्थर और पेड़ का विवाद मिटने नहीं देना है क्योंकि जब तक यह रहेगा तब तक मुझे खाने को फल मिलते रहेंगे।

सामयिक

गरीबों के संरक्षक थे ईश्वर चंद्र विद्यासागर

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

बंगाल पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभ तथा नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को समाज सुधारक, दार्शनिक, शिक्षाविद, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक इत्यादि अनेक रूपों के स्मरण किया जाता रहा है, जिनकी आज हम जयंती मना रहे हैं। ईश्वर चंद्र विद्यासागर का जन्म 26 सितम्बर 1820 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में हुआ था और उनका बचपन का नाम ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय था। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने न केवल नारी शिक्षा के लिए व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया बल्कि उन्हीं के अनथक प्रयासों तथा दृढ़संकल्प के चलते ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज वर्ष 1856 में विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुए थे। उसी के बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की शुरूआत कर ससम्मान जीने का अधिकार मिला था। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर कई बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई थी और उन्होंने कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी।

'अपना काम स्वयं करो' सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वर चंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। अपने क्रियाकलापों से उन्होंने लोगों को हमेशा स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। अपने समाज सुधार अभियान के तहत उन्होंने स्थानीय बांग्ला भाषा तथा लड़कियों की शिक्षा के लिए स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। नारी शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास करते हुए उन्होंने बैठुने स्कूल की स्थापना की तथा कुल 35 स्कूल खुलवाए, जिनके संचालन के लिए पूरे खर्च की जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं अपने कंधों पर ली। स्कूलों के खर्च के लिए वह विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। समाज सुधार कार्यों की बदौलत उन्हें जीवन पर्यन्त गरीबों और दलितों का संरक्षक माना जाता रहा। अपने इसी प्रकार के समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें एक समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा था।

सदैव समाज की भलाई के लिए ही सोचने और समाज के लिए कुछ न कुछ नया करते रहने के कारण ही नैतिक मूल्यों के संरक्षक विद्यासागर को महान समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता है। ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ाने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने सन 1872 में कोलकाता में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर वास्तव में एक ऐसी महान शख्सियत थे, जिन्होंने न केवल नारी शिक्षा के लिए व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया बल्कि अंग्रेजों को विधवा पुनर्विवाह कानून पारित कराने को भी विवश किया। उन्हीं की बदौलत विधवाओं को समाज में सम्मान से जीने का अधिकार मिला। दरअसल उस समय हिन्दू समाज में विधवाओं की स्थिति बहुत चिंताजनक थी। इसीलिए उन्होंने विधवा पुनर्विवाह के लिए लोकमत तैयार किया और उनके इन अटूट प्रयासों की बदौलत ही 'विधवा पुनर्विवाह कानून' पारित हो सका। कानून पारित होने के तीन माह बाद ही उन्होंने एक विधवा कमलादेवी का विवाह प्रतिष्ठित घराने के एक युवक के साथ कराया, जो बंगाल का पहला विधवा विवाह था। 1856–60 के बीच उन्होंने 25 विधवाओं का पुनर्विवाह सम्पन्न कराया। इतना ही नहीं, अपने इकलौते बेटे नारायण की शादी एक विधवा से कराकर समस्त भारतीय समाज के समक्ष ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने अविस्मरणीय मिसाल भी पेश की थी। नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ–साथ उन्होंने बहुपत्नी प्रथा तथा बाल विवाह के खिलाफ भी आवाज उठाई। 29 जुलाई 1891 को यह महान हस्ती सदा–सदा के लिए अटल शून्य में विलीन हो गई।

मुद्दा

पर्यावरण को स्वस्थ बनाकर ही मनुष्य-स्वास्थ्य संभव

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

हर साल दुनियाभर में 26 सितंबर को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य है, पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना। हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए पर्यावरण को बचाना कितना जरूरी है। जिस जगह हम रहते हैं, वहां पर्यावरण से जुड़ी हर चीज की देखभाल करना हर व्यक्ति का फर्ज होना चाहिए। हर बीमारी का उपचार प्रकृति एवं पर्यावरण में है। इस दिवस की 2024 की थीम है पर्यावरण स्वास्थ्य, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण।' प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, औद्योगीकरण, शहरीकरण, वैश्वीकरण और प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा है। मनुष्य को घेर रही तरह–तरह की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण प्रकृति के प्रति लापरवाही एवं उपेक्षा है। ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, नदियों में गंदगी फैलाना, पशुओं को हानि पहुंचाना आदि पर्यावरणीय स्वास्थ्य के नुकसान पहुंचाने के कई कारण हैं। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े संकट की ओर ले जा रही है। इन संकटों के बीच प्राकृतिक पर्यावरण, वायु, जल, भोजन, आवास और समुदायों की गुणवत्ता में सुधार को बढ़ावा देने के लिये इस दिवस की विशेष प्रासंगिकता है।

26 सितंबर, 2011 को इंडोनेशिया में आयोजित शिखर सम्मेलन में इस दिन की स्थापना हुई थी। यह दिवस लोगों को पर्यावरण के कई पहलुओं के बारे में शिक्षित करने का एक साधन है जो किसी न किसी तरह से स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकते हैं जैसे कि हवा और पानी की गुणवत्ता, ठोस अपशिष्ट निपटान, और खतरनाक पदार्थों का प्रभाव। यह दिवस मनुष्य स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका को बढ़ावा देने और सभी निवासियों के जीवन के लिए आवश्यक पर्यावरण की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त साधनों की खोज से जुड़ा है। हानिकारक पर्यावरणीय कारक श्वसन पथ के संक्रमण या जलजनित रोगों सहित विभिन्न गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाती हैं। जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिये मुख्य रूप से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को समाप्त करने, नवीकरणीय ऊर्जा, कुशल स्वास्थ्यवर्द्धक ऊर्जा उपयोग और वनीकरण पर आधारित हैं। शमन का अर्थ है लोगों के व्यवहार को बदलना और सूखे का सामना करने वाली फसलों को विकसित करना और सिंचाई प्रणालियों में सुधार जैसे कठोर और नरम उपायों के माध्यम से उपयुक्त जलवायु के लिए पर्यावरण में आवश्यक संशोधन करना।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस इस बात की याद दिलाता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल प्राकृतिक दुनिया का संरक्षण नहीं है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा है। इसलिए, जब लोग समुदायों में एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो पर्यावरण के कारण होने वाली आपदाओं के बावजूद उन्हें स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए अच्छे उपायों को अपनाना आसान हो जाता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इस दिन हम रुकें और इस बात पर विचार करें कि हम पर्यावरणीय स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बना सकते हैं और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए और अधिक प्रयास कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए हमें पर्यावरणीय स्वास्थ्य को सभी के लिए बेहतर और स्वस्थ भविष्य के मार्ग के रूप में अपनाने की आवश्यकता है। यह दिन विशेष रूप से आधुनिक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और उन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो दुनिया को लोगों और पर्यावरण दोनों के लिए एक बेहतर स्थान बनाने में मदद कर सकते हैं। इस दिन को सेमिनार, कार्यशाला, मीटिंग आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों द्वारा चिह्नित किया जाता है। यह लोगों, संगठनों और सरकारों को एक साथ आने और समुदाय के बेहतर और अधिक टिकाऊ रूपों को बनाने के लिए रणनीतियों पर विचार करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह दिन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को एक दूसरे से निकटता से जुड़ा हुआ मानता है। यह उल्लेखनीय है कि प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियाँ कई बीमारियों का मूल कारण हैं, उदाहरण के लिए, श्वसन रोग, जलजनित रोग और पुरानी बीमारियाँ। विशेषतः वायु प्रदूषण जानलेवा होता जा रहा है, जीवन की औसत आयु को कम कर रहा है। दरअसल, हमारे नीति–नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख–सुविधा की ललक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे–बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट फिक्र बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है।

दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू–जल स्तर लगातार घट रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति– पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण–मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये सक्रिय हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलक रही है।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। मनुष्य के कार्य–व्यवहार से ऐसा मालूम होने लगा है, जैसे इस धरती पर जितना अधिकार उसका है, उतना किसी ओर का नहीं– न वृक्षों का, न पशुओं का, न पक्षियों का, न नदियों–पहाड़ों–तालाबों का। ये स्थितियां मनुष्य एवं पर्यावरण स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को कहना पड़ा कि हमारी पृथ्वी एक तरह से जलवायु अराजकता की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि इंसानी सभ्यता के सामने अब सिर्फ सहयोग करने या 'खत्म हो जाने' का विकल्प बचा है। विश्व के पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, उससे मुक्ति के लिये जागना होगा, संवेदनशील होना होगा। विश्व के शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को सहयोग के लिए कमर कसनी होगी तभी हम विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस को सार्थक सकेंगे।

नजरिया

बुजुर्ग माता-पिता की संपूर्ण सेवा ही बच्चों का सच्चा धर्म-कर्म

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

मां शब्द बड़ा ही मृदु, विशाल और व्यापक होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां, धरती, जननी, धरा, माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना साया हैं मातृ–पितृ ऋण से कभी उबरा नहीं जा सकता है। पितृ पक्ष में माता–पिता के ऋण से ऊबरने के लिए ऐसे व्यक्ति भी जोर–जोर से श्राद्ध कर्म करके लोगों को भोजन से तृप्त करने का प्रयास करते हैं जिन्होंने अपने माता–पिता के जीवित रहते हुए कभी उनके प्रति श्रद्धा के भाव नहीं दिखाएं एवं उनकी यथोचित श्रद्धा पूर्वक सेवा तथा देखभाल नहीं की थी।जिस संतान ने अपने माता–पिता के जीवित रहते हुए उनकी सच्ची सेवा एवं सर्वांगीण सम्मान किया हो केवल वे ही मातृ–पितृ ऋण से उबरने के लाभ के हकदार होते हैं। जीवित अवस्था में अभाव में भोजन पानी को तरसते हुए माता–पिता की मृत्यु के पश्चात अपनी आत्म संतुष्टि और सामाजिक रूप से दिखावे के लिए संतानों द्वारा किया गया श्राद्ध कर्म मिथ्या अथवा आडंबर ही हो सकता है सच्ची सेवा नहीं।

यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्धा आश्रम में छोड़ आते हैं या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती हैं। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपत्ति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं। भारत इस मामले में काफी हद तक सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है मां–बाप संतानों के पास रहते हैं और शांतिपूर्वक जीवन यापन करते हैं। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उपक्रम करने लगे हैं। पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है कि जब व्यक्ति अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्धशाली हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगन शीलता और परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं। यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है।

वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से घिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे–धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ–साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में

पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे–धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को बर्दाश्त न कर के आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरु कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है।

वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां–बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपत्ति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपत्ति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहां की संस्कृति में परिवार के बुजुर्ग को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरूप युवा पीढ़ी के रहन–सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसको परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती। भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्युनिकेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। व्यक्ति का जब सर्वश्रेष्ठ काल होता है तब उपेक्षित और समस्या ग्रस्त होकर अवसाद ग्रस्त हो जाता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग वृद्धावस्था के बारे में लिखा है – मेरे साथ रहो, रुको वृद्ध हो, अभी जीवन का सर्वोत्तम शेष है।

वृद्ध व्यक्ति भी मानव है, उसे भी संवेदना, सहानुभूति और प्यार की आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी को चाहिए कि वृद्धों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें उनकी लगातार सेवा करनी चाहिए, उनके मार्गदर्शन उनका परामर्श परिवार तथा समाज के लिए जल कल्याणकारी होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार उनका आशीर्वाद उनकी शुभकामनाएं लोक मंगलकारी होती हैं यह माना जाता है कि बुजुर्ग का आशीर्वाद ईश्वर के आशीर्वाद जैसा ही होता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जनसभा

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान बुधवार को कठुआ में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कठुआ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार भारत भूषण के समर्थन में एक जनसभा के दौरान।

विभिन्न देशों के राजदूत पाकिस्तान में 'राजनीतिक अराजकता' पर गंभीर चिंता जता रहे हैं : मरयम नवाज

लाहौर/भाषा

पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज ने नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में निवेश करने से 'मित्र देशों' के हिचकिचाने की खबरों के बीच बुधवार को कहा कि विभिन्न देशों के राजदूत इस मुल्क में ''राजनीतिक अराजकता'' पर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

मरयम ने पंजाब के फैसलाबाद शहर में एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''आज एक देश के राजदूत ने (पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन अध्यक्ष) नवाज शरीफ तथा मुझसे मुलाकात की तथा पाकिस्तान में 'राजनीतिक अराजकता' के बारे में पूछा। नवाज शरीफ ने उन्हें बताया कि पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल कोई नई बात नहीं है और वह इसे देखते हुए ही बड़े हुए हैं।'' चीन के राजदूत जियांग जैडोंग ने बुधवार को लाहौर में नवाज तथा मरयम से मुलाकात की। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान में अमेरिका के राजदूत

डोनाल्ड ब्लोम ने दोनों नेताओं से मुलाकात की थी और देश में मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की थी। मरयम ने कहा कि पाकिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल आम बात है और उन्हें भी नहीं पता कि वह कितने समय तक पद पर बनी रहेंगी। ''देश में राजनीतिक अराजकता जारी है और मुझे भी नहीं पता कि मैं कब तक पद पर बनी रहूंगी।'' पिछले दो वर्षों से पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ रही है और देश की सबसे लोकप्रिय पार्टी – पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का सैन्य प्रतिष्ठान के साथ टकराव चल रहा है।

बांग्लादेश भारत के साथ नदियों के जल बंटवारे पर बातचीत करेगा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश शीघ्र ही भारत के साथ सीमा पार नदियों के जल बंटवारे पर बातचीत करने के लिए कदम उठाएगा। अंतरिम सरकार के एक सलाहकार ने बुधवार को यह जानकारी दी।

भारत और बांग्लादेश 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा के दौरान तीस्ता जल बंटवारे पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राज्य में पानी की कमी का हवाला देते हुए इसका समर्थन करने से इनकार कर दिया। यहां 'साझा नदियों के जल पर बांग्लादेश का उचित हिस्सा' शीर्षक से आयोजित एक संगोष्ठी में जल संसाधन सलाहकार सईदा रिजवाना हसन ने कहा कि बांग्लादेश शीघ्र ही भारत के साथ सीमा पार नदियों के जल बंटवारे पर बातचीत करने के लिए कदम उठाएगा।

कृषि कानूनों पर टिप्पणी से कंगना का 'यू-टर्न', भाजपा ने किनारा किया; कांग्रेस ने कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली/शिमला/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कंगना रनौत बुधवार को अपनी उस टिप्पणी से पीछे हट गईं, जिसमें उन्होंने 2021 में निरस्त किए गए तीन कृषि कानूनों को वापस लाने की मांग की थी। इस टिप्पणी से जहां रनौत एक बार फिर राजनीतिक विवाद में घिर गईं तो वहीं भाजपा ने उनके इस बयान से किनारा कर लिया है, जबकि कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। रनौत ने कहा कि ये उनके 'निजी' विचार हैं और पार्टी के रुख को प्रदर्शित नहीं करते हैं।

कांग्रेस ने भाजपा से उनके निष्कासन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण की मांग की। रनौत की टिप्पणी ने सत्तारूढ़ भाजपा को एक बार फिर मुश्किल में डाल दिया है, खासकर इसलिए क्योंकि वह हरियाणा में सत्ता बरकरार रखने के लिए व्यापक प्रचार अभियान में जुटी हुई है। हरियाणा में तीन कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे और बाद में केंद्र ने इन कानूनों को वापस ले लिया था।

हरियाणा में पांच अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

भाजपा ने रनौत की टिप्पणियों से किनारा कर लिया और साथ ही कानूनों के प्रति उनके समर्थन को खारिज कर दिया।

पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि भाजपा ने रनौत को ऐसा कोई बयान देने के लिए अधिकृत नहीं किया है और न ही उनका रुख पार्टी के विचारों को प्रतिबिंबित करता है। भाजपा की हिमाचल प्रदेश इकाई ने भी रनौत के बयान से दूरी बना ली है। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में मंगलवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रनौत ने कहा था कि तीन विवादास्पद कृषि कानूनों का विरोध केवल कुछ राज्यों में ही हुआ था। उन्होंने कहा था, ''किसान भारत की प्रगति के शक्तिस्तंभ हैं। केवल कुछ राज्यों में ही उन्होंने कृषि कानूनों पर आपत्ति जताई थी। मैं हाथ जोड़कर अपील करती हूं कि किसानों के हित में कृषि कानूनों को वापस लिया जाना चाहिए।'

तिरुपति लड्डू विवाद: जगन ने मुख्यमंत्री के 'पाप' के लिए मंदिरों में 'क्षमा' अनुष्ठान का आह्वान किया

अमरावती/भाषा

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को लोगों से 28 सितंबर को आंध्र प्रदेश के मंदिरों में पूजा-अर्चना में भाग लेने का आह्वान किया ताकि तिरुपति के लड्डुओं पर आरोप लगाकर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा कथित तौर पर किए गए पाप का प्रायश्चित किया जा सके। रेड्डी की यह अपील ऐसे समय में आई है जब कुछ दिन पहले ही नायडू ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल की बैठक में आरोप लगाया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए घटिया सामग्री और पशु चर्बी का इस्तेमाल किया।

इन आरोपों ने पूरे देश में बड़े पैमाने पर विवाद को जन्म दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, चंद्रबाबू द्वारा किए गए इस पाप को धोने के लिए वाईएसआरसीपी शनिवार 28 सितंबर को मंदिरों में राज्यव्यापी अनुष्ठानों का आह्वान कर रही है।

विपक्षी नेता के अनुसार, नायडू ने आरोप लगाया कि तिरुपति मंदिर में लड्डू प्रसादम बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले घी में पशु की चर्बी को 'राजनीतिक मकसद' से मिलाया गया था। उन्होंने कहा, हालांकि पशु चर्बी की मिलावट नहीं हुई थी, लेकिन उन्होंने जानबूझकर झूठ बोला कि ऐसा हुआ था और गलत प्रचार किया कि भक्तों ने उन्हें खाया था।

इस बीच, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कथित अपवित्रता को लेकर देवता को प्रसन्न करने के लिए 11 दिनों का प्रायश्चित शुरू किया है।

नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र को करेंगे संबोधित

यरुशलम/एपी

एक वर्ष पहले ही संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पश्चिम एशिया में एक नई शांति व्यवस्था कायम होने का पूरे जोश के साथ दावा किया था किंतु एक साल बाद जब वह उसी मंच पर वापस आएंगे तो उनकी यह घोषणा तार-तार होकर बिखरती प्रतीत हो रही है। गाजा में विनाशकारी युद्ध को एक साल होने वाला है। इजराइल ईरान समर्थित लेबनानी समूह हिजबुल्लाह के साथ एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध के मुहाने पर खड़ा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश अलग-थलग पड़ रहा है तथा उसका नेतृत्व एक कट्टर विचारधारा को समर्पित नेता कर रहा है, जिसके संघर्ष से निपटने के तौर-तरीकों को लेकर न सिर्फ दुनिया के अन्य देशों बल्कि उसके अपने देश में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इजराइल सिर्फ क्षेत्रीय संघर्षों की वजह से ही प्रभावित नहीं है।

'वॉर 2' की शूटिंग के लिए इटली पहुंचे ऋतिक रोशन

मुंबई/एजेंसी

बॉलीवुड के माचो मैन ऋतिक रोशन 'वॉर 2' की शूटिंग के लिए इटली पहुंच गये हैं। ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर एक शानदार लोकेशन की तस्वीर शेयर की, जहां फिल्म वॉर 2 की शूटिंग हो रही है। तस्वीर में उन्हें इटली की प्राकृतिक खूबसूरती का लुत्फ उठाते देखा जा सकता है।ऋतिक ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, इटली वॉर 2 में सब कुछ कैद कर लिया गया है। ग्रे टी-शर्ट और धारीदार पैंट में ऋतिक बेहद आकृषक और स्टाइलिश लग रहे हैं।उनकी पोस्ट पर नेटिज़न्स की दिल को छू लेने वाली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। उन्हें उनकी गर्लफ्रेंड सबा आज़ाद से भी तारीफ मिली।सबा ने कमेंट किया, मेरा प्यार।' गौरतलब है कि अपनी शानदार सुपरहिट फिल्मों 'वेक अप सिड', 'ये जवानी है दीवानी' और 'ब्रह्मास्त्र' के निर्देशन से प्रसिद्ध अयान मुखर्जी वॉर 2' का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म वॉर 2 में मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर और कियारा आडवाणी भी हैं। फिल्म वॉर 2 वर्ष 2019 में प्रदर्शित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। वॉर में ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर की अहम भूमिका थी।

नीलामी

मुंबई में बुधवार को टेनिस प्रीमियर लीग सीजन की नीलामी में रकुल प्रीत सिंह, सोनाली बेंद्रे और सानिया मिर्जा।

धनुष की फिल्म 'इडली कडाई' में हुई शालिनी पाडे की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

धनुष के निर्देशन में बन रही फिल्म 'इडली कडाई' की स्टार कास्ट में शालिनी पाडे शामिल हो गयी हैं। शालिनी पांडे भारतीय सिनेमा में उभरती हुई सितारों में से एक मानी जाती हैं।

अपने डेब्यू फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से लेकर हाल ही में रिलीज़ हुई 'महाराज' तक, उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाकर अपने अभिनय से अपने आप को साबित किया है। शालिनी पांडे को धनुष की अगली निर्देशित फिल्म 'इडली कडाई' में कास्ट किया गया है। धनुष द्वारा निर्देशित फिल्म इडली कडाई शालिनी की तमिल सिनेमा में कमबैक मानी जा रही है। इस फिल्म में शालिनी एक ऐसा किरदार निभाएंगी जो दर्शकों को बेहद आकर्षित करेगा।'इडली कडाई' के अलावा, शालिनी पांडे एक्सेल एंटरटेनमेंट की 'डब्बा कार्टेल' और 'बैंडवाले' में भी नजर आएंगी।

पिता हरिवंश राय बच्चन की दी हुई शिक्षाओं को हमेशा याद करते हैं अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की दी हुई शिक्षाओं को हमेशा याद करते हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन के लोकप्रिय क्विज़ शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 16, जिसे महानायक अमिताभ बच्चन होस्ट कर रहे हैं, अपने दर्शकों को रोमांचक खेल और प्रेरणादायक प्रतियोगियों के साथ बांधे हुए है। हर एपिसोड में गेम की रोमांचकता और अमिताभ द्वारा बनाए गए खास पलों को दर्शाया जाता है। अमिताभ बच्चन जीवन में जब कभी कठिनाइयों का सामना करते थे, तो वह अपने पिता, महान कवि हरिवंश राय बच्चन से बात करते थे। उनके पिता ने हमेशा कहा था, जब तक जीवन है, तब तक संघर्ष रहेगा। इस विचार ने अमिताभ को हर मुश्किल में सहनशीलता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, और वह इस अनुभव को प्रतियोगियों के साथ भी साझा करते हैं। इस हफ्ते दो प्रतियोगी एक करोड़ के सवाल तक पहुंचेंगे, जो दर्शकों को उनके ज्ञान और धैर्य की सराहना करने पर मजबूर कर देगा। उज्ज्वल प्रजापत और चंदर प्रकाश इस चुनौती का सामना करेंगे, और करोड़पति बनने का सपना पूरा करने के लिए तैयार हैं। उनके साथ महानायक अमिताभ बच्चन भी हैं, जो इन पलों को और भी खास बनाएंगे।अमिताभ बच्चन हमेशा प्रतियोगियों को व्यक्तिगत रूप से समर्थन देते हैं और उनकी मदद करने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। वह उन्हें अपने परिवार की तरह मानते हैं और उनकी खुशियों और दुखों में बराबर शामिल होते हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में, जहां फोटो और वीडियो साझा किए जाते हैं, अमिताभ बच्चन के फैंस उन्हें अपनी बेशर्त मोहब्बत दिखाने में कभी पीछे नहीं रहते। देश के कोने-कोने से लोग उन्हें अपने घर की पूजा का प्रसाद, शहर की मशहूर मिठाइयां या दिल से लिखे हुए पत्र भेंट करते हैं। अमिताभ हर उपहार को उसी स्नेह और सम्मान के साथ स्वीकार करते हैं जैसे उन्हें दिया जाता है। एक प्रतियोगी के पिता 38 साल पुरानी एक कहानी साझा करते हैं, जिसमें वे इलाहाबाद में अमिताभ बच्चन से मिलने के करीब थे, लेकिन उनके घर से सिर्फ 1 किलोमीटर दूर ही रुक गए थे। अब, जब वह अपने बच्चे को केबीसी के मंच पर देखते हैं, तो वह अधूरी यात्रा पूरी हो गई है। आखिरकार, वह 1 किलोमीटर की दूरी तय करके अमिताभ बच्चन के साथ उस पल को साझा कर रहे हैं, जिसे वे कभी पूरा नहीं कर पाए थे। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 रात 9 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

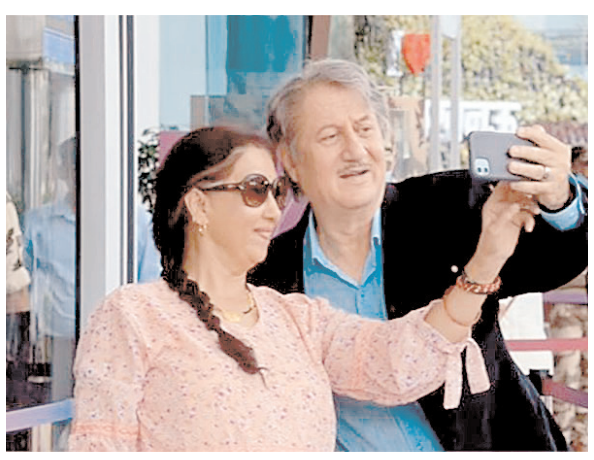

फिल्म 'द सिग्नेचर' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता अनुपम खेर की 525 वीं फिल्म 'द सिग्नेचर' का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। केसी बोकाडिया और अनुपम खेर स्टूडियो द्वारा निर्मित फिल्म द सिग्नेचर में अनुपम खेर,महिमा चौधरी, नीना कुलकर्णी, अन्नू कपूर और रणवीर शौरी जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं। 'द सिग्नेचर' का प्रीमियर 04 अक्टूबर को जी5 पर होने वाला है। यह फिल्म अरविंद (अनुपम खेर) की कहानी पर आधारित है, जिसकी ज़िंदगी तब बदल जाती है जब उसकी पत्नी एक यात्रा से पहले एयरपोर्ट पर बेहोश हो जाती है।अपने सीमित वित्तीय संसाधनों के बावजूद, अरविंद उसे बचाने की बेताब कोशिश में अपने कुछ बचत किए हुये पैसे खर्च कर देता है।जबकि उसके बच्चे उदासीन रहते हैं और मदद से इनकार करते हैं। अनुपम खेर ने अपने किरदार के बारे में जानकारी साझा करते हुए कहा, इस फिल्म में, मैं एक मध्यम वर्ग के व्यक्ति का किरदार निभा रहा हूँ, जिसकी अपनी पत्नी के प्रति गहरा प्रेम है। पार्टनर से लेकर दोस्तों तक के उनके रिश्ते का विकास ही इस भूमिका को अद्वितीय बनाता है। मैं अपने अभिनय में आम आदमी के सार को दर्शाने का लक्ष्य रखता हूँ।'

महिमा चौधरी ने कहा,ऐसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ इस फिल्म का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात थी। एक महत्वपूर्ण क्षण के दौरान मेरे किरदार का समर्थन दिल को छू लेने वाला और प्रासंगिक दोनों है। ज़ी5 के मुख्य व्यवसाय अधिकारी मनीष कालरा ने कहा, द सिग्नेचर मानवीय भावना की ताकत को दर्शाता है, और अनुपम खेर की 525वीं फ़िल्म के साथ, हमें इस असाधारण शीर्षक को अपनी सामग्री लाइब्रेरी में शामिल करने पर गर्व है। निर्माता केसी बोकाडिया ने कहा, 'द सिग्नेचर' के साथ, हमारा लक्ष्य एक दिल को छू लेने वाली कहानी गढ़ना था और शानदार कलाकारों ने फ़िल्म को काफ़ी ऊपर उठा दिया है। मेरा मानना है कि यह कहानी दर्शकों को गहराई से प्रभावित करेगी। निर्देशक गजेंद्र अहिरे ने भी ज़ी5 के साथ सहयोग की सराहना की। उन्होंने कलाकारों, विशेष रूप से अनुपम खेर की समर्पण और प्रतिभा की प्रशंसा की।

विवेक रंजन ने फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स ' के लेखन को समाप्त करने के दिए संकेत

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स ' के लेखन को समाप्त करने के संकेत दिए हैं। निर्माता विवेक रंजन अग्निहोत्री अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' के साथ अपनी त्रयी को पूरा करने की तैयारी कर रहे हैं। 'द ताशकंद फाइल्स'और 'द कश्मीर फाइल्स ' की सफलता के बाद, अग्निहोत्री ने इस फिल्म के लिए व्यापक पैन इंडिया अनुसंधान में काफी समय और प्रयास समर्पित किया है। हाल ही में, अग्निहोत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए स्क्रिप्ट की समाप्ति का संकेत दिया, जिसमें लिखा था,बस लगता है अब हो गया 4 साल सींचने के बाद अब अंकुर निकलने लगे हैं द दिल्ली फाइल्स स्क्रिप्ट इस कैरोसेल पोस्ट में उनके लैपटॉप स्क्रीन पर स्क्रिप्ट का टाइटल कार्ड दिखाया गया है, जिसमें लिखा है विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा लिखित, सच्ची घटनाओं पर आधारित।इसके साथ ही, अग्निहोत्री को समुद्र तट पर समय का आनंद लेते हुए भी दिखाया गया है, जो यह दर्शाता है कि वह प्रोडक्शन शुरू करने के लिए तैयार हो रहे हैं।

अब जब स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और उन्हें देशभर से प्रशंसा प्राप्त हो चुकी है, अग्निहोत्री एक और महत्वपूर्ण फिल्म के साथ दर्शकों को एक नए सफर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। ' द कश्मीर फाइल्स'के बाद, प्रसिद्ध निर्माता अभिषेक अग्रवाल एक बार फिर विवेक रंजन अग्निहोत्री के साथ अपनी प्रोडक्शन बैनर 'अभिषेक अग्रवाल आर्ट' के तहत 'द दिल्ली फाइल्स'के लिए जुड़े हैं।

उर्वशी रौतेला ने केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम की यात्रा की

देहरादून/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया यूनिवर्स उर्वशी रौतेला ने अपने परिवार के साथ श्रद्धेय श्री बद्रीनाथ धाम और श्री केदारनाथ धाम की भावपूर्ण यात्रा की। मूल रूप से उत्तराखंड के कोटद्वार की निवासी उर्वशी ने मंगलवार सुबह अपनी तीर्थयात्रा शुरू की। उन्होंने सबसे पहले श्री केदारनाथ धाम का दौरा किया, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की और भगवान केदारनाथ का जलाभिषेक किया। इस पवित्र अनुष्ठान के दौरान उनकी मां मीरा रौतेला और भाई यशराज रौतेला उनके साथ थे। प्रार्थना के बाद, बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सीईओ विजय प्रसाद थपलियाल ने परिवार को 'प्रसाद' भेंट किया। इस अवसर पर पुजारी शिवशंकर लिंग और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यदुवीर पुष्पवाण सहित कई अधिकारी और पुजारी मौजूद थे। केदारनाथ के दर्शन के बाद रौतेला ने दोपहर में श्री बद्रीनाथ धाम की यात्रा की, जहां उन्होंने प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी द्वारा भगवान बद्रीविशाल का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उर्वशी रौतेला ने बदरीनाथ मंदिर सिंह द्वार पर अपने प्रशंसकों के साथ फोटो भी खिंचवाई।इन पवित्र स्थलों के आध्यात्मिक माहौल से अभिभूत रौतेला ने साथी भक्तों से चार धाम यात्रा पर जाने का आग्रह किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ महिला विंग द्वारा वर्ष 2022-24 के कार्यकाल के समापन के मौके पर टाउन हॉल में 'अंदाज अपना अपना' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा निःशुल्क मधुमेह एवं रक्त चाप शिविर का आयोजन मरियप्पनपाल्या स्थित गायत्री पार्क में हुआ जिसमें 57 लोग लाभान्वित हुए। तेयुप से मोहन चोरडिया एवं योगेश मेहता ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सिरोही जैन संघ का स्नेह मिलन सम्मेलन का आयोजन अरसीकेरे दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ में हर्षोल्लास से हुआ। उपस्थित संघ के सभी सदस्यों ने पार्श्व भैरव भक्ति में भाग लिया तथा सेवा पूजन किया। धाम के ट्रस्टी रमेशकुमार कटारिया एवं प्रबंधक नवरतन ने सिरोही संघ के अध्यक्ष व वरिष्ठ जनों का सम्मान किया।

डाक्टरों व मरीज के बीच का सेतु है फार्मासिस्ट : महेन्द्र मुणोत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर सेंट जॉन्स कॉलेज ऑफ फार्मेसी, विजयनगर द्वारा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों ने सामाजिक उपयोगी संदेशों वाली तख्तियां लेकर भाग लिया। रैली में मुख्य अतिथि के रूप में विजयनगर मारुति मेडिकल के गोसेवक महेंद्र मुणोत ने भाग लिया और फार्मासिस्टों को सम्मानित किया। इस मौके पर मुणोत ने कहा कि फार्मासिस्ट डॉक्टर और मरीज के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है, अगर हम निस्वार्थ भावना से अपना कर्तव्य ठीक से निभाएंगे तो यह देश के लिए एक अच्छी सेवा होगी। फार्मेसी कॉलेज के प्रिंसिपल रविचंद्र, उप प्रिंसिपल सतीश, सहायक प्रोफेसर चेतना रैली में आर. जैन उपस्थित थे।

अग्रवाल महिला मंडल ने आयोजित की गरबा कार्यशाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय अग्रवाल महिला मंडल द्वारा महाराजा अग्रसेन भवन में गरबा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 70 महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल, संयोजक साक्षी और पूरी टीम ने व्यवस्था संभाली।

कार्यशाला के दौरान गरबा की विभिन्न पारंपरिक शैली और नृत्य सिखाया गया। इसके अलावा, गरबा ड्रेस और दीवाली की सामग्री के स्टॉल्स भी लगाए गए जहां महिलाओं ने खरीदारी का भरपूर आनन्द लिया।

तेयुप टी. दासरहल्ली रक्तदान शिविर में 17 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद टी, दासरहल्ली के तत्वावधान में रिद्मम थीम रक्तदान 2024 के अंतर्गत और अभातेयुप के षष्ठी वर्ष पूर्ण होने पर सरकारी स्कूल में रक्तदान शिविर का आयाजेन किया। विवेकानंद ब्लड बैंक के सहयोग से शिविर में 17 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में रक्तदान करने वालों को तेयुप परामर्शक लादूलाल बाबेल व तेयुप पूर्व अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत आदि पदाधिकारियों ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। एमबीडीडी

संयोजक मुकेश चावत ने विशेष सहयोग दिया। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कन्हैयालाल गाँधी, पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सामायिक प्रभारी राकेश दक,उपाध्यक्ष अनिल गादिया, अशोक बोहरा, मंत्री शुभम बाबेल, प्रचार प्रसार मंत्री निखिल बोहरा आदि ने सहयोग दिया।

गुरु दर्शन यात्रा संघ का हुआ आयोजन

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। संघपति गौतमचन्द जयंतीलाल गोलेछा परिवार के सौजन्य से वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष उकचंद बाफना, गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, पारसमल पटवा के नेतृत्व में गुरु दर्शन यात्रा का आयोजन किया जिसमें श्रद्धालुओं ने वसई में में चातुर्मास के लिए विराजित ह ु क म ग च छ ा धि प ति आचार्यविजयराजजी के आज्ञानुवर्ती संतश्री नवीनप्रज्ञजी

के दर्शन किए तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु दर्शन यात्रा समिति के संयोजक मदन तातेड़ व सह संयोजक सुभाषचंद्रा डंक व उनकी टीम ने यात्रा संघ की व्यवस्था संभाली।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने 'अंदाज अपना अपना' में कार्यकाल समापन का जश्न मनाया

विभिन्न सहयोगियों व संयोजकों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ महिला विंग द्वारा वर्ष 2022-24 के कार्यकाल के समापन के मौके पर टाउन हॉल में 'अंदाज अपना अपना' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षा सुनीता गाँधी व सचिव मोनिका पिरगल ने अपनी कार्यकारिणी सदस्याओं के साथ भाग किया। अध्यक्षा सुनीता गाँधी ने सभी अतिथिगण का स्वागत करते हुए दो वर्ष के कार्यकाल की जानकारी दी तथा सभी सहयोगियों व टीम को धन्यवाद किया। उन्होंने अपनी सभी कार्यकर्ताओं की विशेष उपलब्धियों से सम्मानित किया। संचालन करते हुए सचिव मोनिका पिरगल ने दो वर्ष के कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुति फिल्मी अंदाज में फिल्मों के नाम जोड कर दी। मुख्य विंग के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने महिला विंग को अपने 2 वर्ष के कार्यकाल में सभी एक से बढकर एक सफल कार्यक्रम देने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला

विंग ने जीतो को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाया है।

इस अवार्ड नाइट में 14 संकायों के संयोजक व सह संयोजकों को उनके पारंगत क्षेत्र में सफल आयोजनों के लिए विशेष रूप से स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। समारोह में सम्मिलित सदस्याओं ने जीतो महिला विंग साउथ द्वारा 2 साल में हुए कार्यक्रमों की सराहना की व सफल कार्यकाल के लिए बधाई दी। उपाध्यक्ष प्रभा गुलेच्छा ने स्वरचित गीत प्रस्तुत किया। आय व्यय का कार्य कोषाध्यक्ष भारती छाजेड तलेसरा ने देखा। अंदाज अपना अपना कार्यक्रम की निर्माता सुनीता गाँधी, निदेशक मोनिका पिरगल, कार्यनिदेशक सहमंत्री नीलम ललवानी व सह कार्यनिदेशक निशा टुकलिया रही। इस फिल्म में वीडियो व संगीत निधी पालरेचा, प्रिया गाँधी, साक्षी मेहता व रेखा जैन ने संपादन किया। फिल्म में संवाद व आवाज संगीता पारख ने दिया। नृत्य संगीत का संचालन उर्मिला बरडिया, सविता पोरवाल, रेश्मा बडोला, संगीता मालानी ने किया। परदे के पीछे का कार्यभार लता बोहरा, ललिता नागोरी, नंदा मेहता व वासंती जैन ने संभाला। तकनीकी क्षेत्र काजल ने बखूबी संभाला। फिल्मी रूप देते हुए यह एक फिल्मफेयर अवार्ड के अन्दाज में सदस्याओं प्रतिमा जैन,अर्पिता लदानी, दीपमाला, इंदू खिंवसरा, नीतू जैन, सपना चोपडा, तरूणा जैन आदि ने विभिन्न बालीवुड नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। इस अवसर पर श्रमण आरोग्यम के चेयरमैन रमेश हरण, केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा, एपेक्स के डायरेक्टर हितेश पालरेचा, विनोद जैन, नरेन्द्र सामर, मनोज जैन, एपेक्स एसएसबी संयोजक रेखा जैन, जेएलडब्लू के संयोजक संजय भण्डारी, महेश नाहर, उपाध्यक्ष उदय जैन, केकेजी जोन सचिव दिलीप जैन, एपेक्स जेबीएन संयोजक मनोज कोचर,युवा अध्यक्ष पिंकेश मेहता, युवा सचिव पदमा जैन, गर्ल्स होस्टल की सह संयोजक चित्रा मेहता व कविता जैन, बेंगलूरु नार्थ की चेयरपर्सन बिंदु रायसोनी, सचिव सुमन वेदमूथा आदि उपस्थित रहे। जीतो साउथ के नव निर्वाचित अध्यक्ष रणजीत सोलंकी ने ऑनलाइन शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर जीतो साउथ के नवनिर्वाचित सचिव नीतिन लूनिया भी उपस्थित रहे। लेडीज विंग के नए कार्यकाल के लिए अध्यक्षा बबीता रायसोनी व मुख्य सचिव निधि पालरेचा का नाम घोषित हुई। जीतो महिला विंग की पूर्व अध्यक्षा प्रमिला भण्डारी, मधु दोशी, पिंकी जैन व अनिता पिरगल ने विंग का कार्यों की सराहना की।

विनय और सरलता के भंडार थे गौतमस्वामी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

300 से अधिक साधकों ने किया धार्मिक अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में गौतम लब्धि महाअनुष्ठान के अवसर पर साधकों को मार्गदर्शन देते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि तीन या तीन से अधिक स्वरों और व्यंजनों के जोड़ से बीजमंत्र बनते हैं। ये ध्वनि विज्ञान के अद्भुत आविष्कार हैं। शरीर के विभिन्न अंग इन बीजमंत्रों के केंद्र होते हैं।मंत्रों के आधार पर अपनी ओरा को परिवर्तित और सशक्त किया जा सकता है। गौतमस्वामी के करकमलों से पचास हजार मुमुक्षुओं ने दीक्षा अंगीकार की थी और सभी साधना की सिद्धि प्राप्त करते हुए भवसागर से पार उतर गए थे।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीरस्वामी के सभी ग्यारह प्रमुख शिष्य ब्राह्मण थे। महावीर ने चारों वर्णों के मुमुक्षुओं को अपने धर्मसंघ में दीक्षित कर सामाजिक समानता का महान उदाहरण प्रस्तुत किया था। आज हम देखते हैं कि सामाजिक असमानता ने भारत राष्ट्र का भारी नुकसान किया है। महावीरवामी के प्रथम शिष्य गौतमस्वामी ने 50 वर्ष की आयु में दीक्षा अंगीकार की थी। उनका विनय-विवेक और उनकी सरलता अद्भुत थी। वे समग्र ज्ञान के ज्योतिपुंज थे। उनके पास अनेक विद्याएं, लब्धियां और शक्तियां थीं। जैन परंपरा में उन्हें संकट मोचक, विघ्नहर्ता, सकल मंगलकारक कहा जाता है। यहां भौतिक और धार्मिक-आध्यात्मिक, हर कार्य की शुरुआत गौतमस्वामी के नामस्मरण से करने की विरल परंपरा है। गौतमस्वामी द्वारा रचित अनेक प्रभावशाली स्तोत्र और मंत्रकल्प जैन साहित्य की अमूल्य निधि है। करीब 34 वर्षों तक वे महावीरस्वामी के साथ विहरण किए थे। महावीर निर्वाण के कुछ घंटे बाद उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उनके जीवन से यह शिक्षा मिलती है कि सरलता और विनम्रता से जीवन में अनेक दिव्य शक्तियों का आविर्भाव हो सकता है। साधनाएं कभी भी माया-कपट से सफल नहीं होती। सरलता ही सिद्धि का राजमार्ग है इसीलिए विद्वान व ज्ञानी होने से ज्यादा महत्वपूर्ण है, सरल और विनय-विवेकी होना।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान और प्रवीण दांतेवाडिया ने बताया कि 300 से अधिक साधकों ने लाल व श्वेत परिधान में अनुष्ठान में भाग लिया। सभी साधकों को ताम्रयंत्र, कपूर वासक्षेप, कलश, आरती, पुष्प, अक्षत, नैवेद्य, फल आदि सामग्री प्रदान की गई थीं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के संग सभी श्रमणों ने सामूहिक मंत्रोच्चार कर मंगलविधान सम्पन्न करवाए। मुम्बई के राकेश शाह और उनकी पार्टी ने भक्तिसंगीत की मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। अंत में रक्षा हेतु ग्रंथिविधान और आरती की गई।

धर्म पालन के बिना सुख की प्राप्ति असंभव : संतश्री विनयमुनि

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में विनयमुनिजी खींचन ने शहर में पहले वाले छेद सूत्र की प्रवचन माला में कहा कि ऐसा संसार जिसका अंत अच्छा हो, अन्त को अन्तिम बनाना ही तीर्थकरों ने श्रुत ज्ञान में समझाया है। आज हमें विरासत रूप रात्रि भोजन त्याग पूर्वजों ने सौ साल पहले हमारे लिए छोड़ गए है। धर्म बिना जीवन दुखों से मुक्त नहीं होता। रात्रि भोजन का त्याग की धर्म है और हमें रात्रि भोज का त्याग कर अपने धर्म का पालन करना चाहिए। सरलता ही भावों का दाता है। संयम में विशुद्धि परिमार्जन सरलता देता है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपत राज मांडोत ने बताया कि 36 दिवसीय उत्तराध्ययन सूत्र के आज से जाप शुरू हो गए हैं प्रवचन के अंदर ही 45 महापुरुषों का दैनिक स्मरण शुरू कर दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'अंत्योदय' के प्रणेता स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित की

जयपुर्। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर महान दार्शनिक एवं गहन चिंतक, 'अंत्योदय' के प्रणेता स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय को स्मरण करते हुए कहा कि संगठन कला के कुशल पारखी हमारे पथ प्रदर्शक स्व. पंडित जी ने मां भारती की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पित किया। वे एक महान नेता थे जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत शुचिता एवं गरिमा के उच्चतम आयाम स्थापित किए्।

यश जीवन है और अपयश मरण के समान : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि समय की अनमोलता को आत्म तत्त्व के ज्ञाता पुरुष ही समझ सकते है अथवा जिन आत्मा की अन्तचेतना आध्यात्म के प्रति जग चुकी है वहीं सत्पुरुष साधक समय की कीमत को जान सकता है। वे आत्माएँ एक-एक क्षण को सार्थक बनती हैं। एक पल भी प्रमाद में नहीं जाने देते है। यह मानव भव की प्राप्ति होती हैं। व्यक्ति यह इस प्राप्त अनमोल अवसर की नहीं चूकते हुए सेवा, धर्म साधना, दान, दया, परोपकार करते हुए अनमोल मानव जीवन को सार्थक बनायें । यूं तो दुनिया में

अपना पेट पशु भी भरते हैं लेकिन इंसान की महत्ता इससे हैं कि जो स्वयं के साथ दूसरों का भी पेट भरता है। जो प्राप्त वस्तु को प्रेमभाव से मिल बाँट कर खाता हैं। यश जीवन हैं और अपयश मरण कासमान है। तन, मन, धन से दूसरों की प्राणीमात्र की सेवा, सहयोग करें यही सच्चे सज्जन पुरुष की पहचान है। मन की शुद्ध बनाकर आचरण करें्। हर कार्यप्रवृत्ति में विवेक रखें जिससे जीव के व्यर्थ में कर्मों का बन्ध नहीं हो। वचन भी मधुर, हित-मित, परि मित बोलने चाहिए।

प्रारंभ में साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी म.सा. ने श्री उत्तराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्ययन पर सारगर्मित विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि मनुष्य की प्रसार में अनासक्त भाव से जीवन जीना चाहिए। विषयों के प्रति आसक्ति का भाव मोह उत्पन्न करता हैं और यह सम्पूर्ण दुःखों का मूल मोह ही है। दुनिया के सभी दुःख मोह के कारण सतति रहते हैं्। घर में, परिवार में रहते हुए भी अपने आपको सव से भिन्न समझना चाहिए। अलिप्त भाव को विकसित करें। कमल का पुष्प जल से अलिप्त रहता है उसी प्रकार मनुष्य का जीवन हो तो आत्मा शांति का अनुभव करती है। कामनाओं को दूर करना ही वास्तव में दुःखों को दूर करना है। भगवान ने सर्वत्र निष्कामता को श्रेष्ठ जीवन बताया है। संचालन संघ के उपाध्यक्ष पारसमल दुगड़ ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com